दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

रूठ गई सहेली .....

इन जंतुओं के घर...

वर्ष : 12 | अंक : 78 | लखनऊ, 13 मार्च ,शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

पलामू में प्रीति भोज खाकर बीमार हुए 150 लोग

पलामू। पलामू में प्रीति भोज का खाना खाने से 150 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं। 150 से ज्यादा लोगों के एक साथ बीमार होने के कारण इलाके में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने पर सिविल अस्पताल के सर्जन बीमार का इलाज करने के लिए पहुंचे। बारात जाने से पहले सरबतवा के बोहिता गांव में प्रीति भोज का आयोजन किया गया था।

झारखंड में 19 साल की लड़की ने लगाई फांसी

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा से 19 साल की लड़की द्वारा फांसी लगाने का मामला सामने आया है। मामला जिले के तिलैया थाना क्षेत्र का है। परिजनों के मुताबिक, 4 दिन बाद उसकी सगाई होनी थी, लेकिन इससे पहले ही उसने ऐसा खौफनाक कदम उठा लिया। यहां गुरुवार की अहले सुबह बीए प्रथम वर्ष की छात्रा शिपू कुमारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि उसने तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित अपने प्रणोदन परिसर में नोजल सुरक्षा प्रणाली और बहु-तत्व इग्नाइटर का इस्तेमाल करते हुए 22 टन थ्रस्ट स्तर पर अपने क्रायोजेनिक इंजन (सीई20) का समुद्र तल पर सफलतापूर्वक परीक्षण (हॉट टेस्ट) किया है। इससे पहले, समुद्र तल परीक्षण 19 टन थ्रस्ट स्तर पर किए जा रहे थे।

मूसेवाला हत्याकांड में दो आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के दो नामजद आरोपियों पवन बिश्नोई और जगतार सिंह को जमानत दे दी है। यह राहत पवन बिश्नोई और जगतार सिंह मूसा को मिली है, जो शुभदीप सिंह सिद्धू उर्फ सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में आरोपी हैं। सिद्धू मूसेवाला की हत्या 29 मई 2022 को मानसा जिले के जवाहरके गांव में गोली मारकर की गई थी। दोनों पंजाब की गोबिंदगढ़ जेल में बंद थे।

बीएसएफ डीआईजी के काफिले पर हमला

शिलांग। मेघालय के गारो हिल्स क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डीआईजी के काफिले में शामिल एक वाहन को कुछ लोगों ने आग लगा दी और बीएसएफ के जवानों पर हमला किया जिसमें वे घायल हो गए। घटना बुधवार शाम को उस समय हुई जब वे तुरा कस्बे में बैठक से लौट रहे थे।

योगी सरकार ने स्टाम्प चोरी रोकने के लिए कसी कमर

मार्च 2026 तक 200 करोड़ के अतिरिक्त राजस्व का रखा लक्ष्य

योगी सरकार राजस्व संग्रह मजबूत करने और पारदर्शिता बढ़ाने हेतु विशेष अभियान चला रही है। इसमें अपंजीकृत संपत्तियों का पंजीकरण, लंबित स्टाम्प वादों का निस्तारण और विभिन्न संस्थाओं से स्टाम्प शुल्क वसूली शामिल है। मार्च 2026 तक 200 करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व का लक्ष्य है, जिसमें एनएचएआई टोल प्लाजा और विभिन्न विकास परियोजनाओं से आय शामिल है।

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / लखनऊ,

योगी सरकार प्रदेश के राजस्व संग्रह व्यवस्था को मजबूत करने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्टाम्प एवं निबंधन विभाग विशेष अभियान चलाकर अपंजीकृत संपत्तियों के पंजीकरण, लंबित स्टाम्प वादों के निस्तारण और विभिन्न संस्थाओं से देय स्टाम्प शुल्क की वसूली पर जोर दे रहा है। अभियान का उद्देश्य राजस्व में वृद्धि के साथ-साथ संपत्ति लेनदेन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना है।

स्टाम्प दरों का कराया जा रहा व्यापक सर्वे

प्रदेश भर के विकास प्राधिकरणों, आवास विकास परिषद, यूपीएसआईडीसी तथा अन्य संस्थाओं की अपंजीकृत संपत्तियों का विशेष अभियान के तहत पंजीकरण कराया जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न विकास प्राधिकरणों और सरकारी एजेंसियों से जुड़े समझौतों और परियोजनाओं की समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि निर्धारित स्टाम्प शुल्क का भुगतान समय पर हो। इसके साथ ही स्टाम्प दरों का भी व्यापक सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे का उद्देश्य प्रदेश में संपत्तियों की अद्यतन और वास्तविक न्यूनतम बाजार दरों को मूल्यांकन सूची में शामिल करना है, ताकि राजस्व संग्रह में पारदर्शिता आए और बाजार की वास्तविक स्थिति के अनुरूप दरें तय की जा सकें। सर्किल दर सूची के सरलीकरण और मानकीकरण का प्रारूप पहले ही जारी किया जा चुका है।

एनएचएआई के टोल प्लाजा से 72 करोड़ का स्टाम्प देय निर्धारित

एनएचएआई के टोल प्लाजा से जुड़े मामलों की भी गहन समीक्षा की जा रही है। प्रदेश में एनएचएआई के कुल 123 टोल प्लाजा और संबंधित एजेंसियों के बीच हुए समझौतों का परीक्षण कर लगभग 72 करोड़ रुपये की स्टाम्प देयता निर्धारित की गई है। इन मामलों में विभिन्न न्यायालयों में वाद दर्ज किए गए हैं और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। गाजियाबाद में एक मामले का निस्तारण करते हुए लगभग 70 लाख रुपये की वसूली की गई है, जबकि कुशीनगर में दो मामलों में लगभग 52 लाख रुपये की वसूली की प्रक्रिया चल रही है। प्रदेश के कई जिलों में विकास प्राधिकरणों और निजी कॉलोनाइजरों की अपंजीकृत संपत्तियों के पंजीकरण के माध्यम से भी राजस्व बढ़ाने की योजना है। गौतमबुद्धनगर में यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से जुड़े मामलों से लगभग 93 करोड़ रुपये का राजस्व की संभावना है। वहीं, मेरठ में निजी बिल्डरों की अपंजीकृत संपत्तियों और आरआरटीएस परियोजना से लगभग 252 करोड़ रुपए की आय का अनुमान है। इसी तरह गाजियाबाद में जीडीए की हरनंदीपुरम आवासीय योजना और यूपीएसआईडीसी की मोदीनगर परियोजना से लगभग 153 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति की संभावना जताई गई है। इसी तरह बरेली में बीडीए की पीलीभीत आवासीय योजना से करीब 50 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है।

जीडीए की न्यू टाउनशिप योजना से मिलेगा 100 करोड़ का राजस्व

विभाग की ओर से राजस्व बढ़ाने के लिए विभिन्न जिलों में विशेष कार्ययोजनाएं भी बनाई गई हैं। मुरादाबाद में एमडीए की सहायक और गोविंदपुरम आवासीय योजनाओं से लगभग 22 करोड़ रुपये वाराणसी में वीडीए की गंजारी स्पोर्ट्स सिटी परियोजना से करीब 40 करोड़ रुपये तथा गोरखपुर में जीडीए की न्यू टाउनशिप योजना से लगभग 100 करोड़ रुपये के राजस्व की संभावना है।

अफसरों की छुट्टियां रद्द

पटना में शिकायत गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर एफआईआर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ईरान युद्ध और पश्चिमी एशिया में आए संकट के बीच भारत में एलपीजी संकट के दावे हो रहे हैं। बिहार में भी एलपीजी सिलेंडर को लेकर त्राहिमाम मचा हुआ है। इस बीच जिलाधिकारी, पटना के निर्देश पर घरेलू एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति एवं वितरण सुनिश्चित करने तथा इसके अनुश्रवण के लिए जिला स्तर पर हेल्पलाइन स्थापित किया गया है। पटना में ग्राहक की शिकायत पर एक गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर एफआईआर भी हो गई है। साथ ही जिला प्रशासन ने पटना जिला के सभी प्रखंडों में आपूर्ति पदाधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं।

मुजफ्फरपुर जिले में भी रसोई गैस संकट

इधर मुजफ्फरपुर में रसोई गैस संकट हो गया है। उपभोक्ता रसोई गैस सिलेंडर की रिफिलिंग कराने के लिए गैस एजेंसी कार्यालय, गोदाम से लेकर वेंडर तक का चक्कर काट रहें है। गुरुवार की सुबह सिकंदरपुर इलाके के लोगों को रसोई गैस नहीं मिल।

सम्राट चौधरी ने एनडीए विधायकों को घर बुलाया

पटना। बिहार से राज्यसभा की 5 सीटों के चुनाव के लिए 16 मार्च को मतदान से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्य के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार शाम पटना में एनडीए के विधायकों की बैठक बुलाया। सम्राट चौधरी ने पटना में अपने आवास पर एनडीए के 5 दलों के सभी 202 विधायकों को मीटिंग और रात्रि भोज के लिए बुलाया है। चुनाव में एनडीए उम्मीदवार नीतीश कुमार, नितिन नवीन, उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर और शिवेश राम को जिताने की रणनीति बनाई जाएगी।

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश भारत से खरीदेगा ब्रह्मोस मिसाइलें

इंडोनेशिया ने किया 3800 करोड़ रुपए का सैन्य समझौता, रणनीतिक साझेदारी को मिलेगी ताकत

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

रक्षा उद्योग के क्षेत्र में भारत को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। फिलीपींस के बाद अब दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया ने भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली खरीदने का समझौता किया है। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत ने इसकी पुष्टि की। इस समझौते के साथ इंडोनेशिया, फिलीपींस के बाद ब्रह्मोस खरीदने वाला दक्षिण-पूर्व एशिया का दूसरा देश बन गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर भारत-इंडोनेशिया के बीच हुई इस डील की कीमत 450 मिलियन डॉलर यानी 3,800 करोड़ रुपए है। इंडोनेशिया ने कहा कि यह सौदा उसके हथियारों के आधुनिकीकरण और तटीय सुरक्षा क्षमता को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है।

तटीय रक्षा मजबूत होगी

गणतंत्र दिवस पर ब्रह्मोस मिसाइलों का प्रदर्शन फाइल फोटो

प्रवक्ता रिको रिकार्डो सिरैत के मुताबिक, इंडोनेशिया ने भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली की खरीद में साझेदारी की है। यह हमारे शस्त्रों के आधुनिकीकरण, विशेष रूप से तटीय रक्षा को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। यह खरीद रक्षा क्षेत्र में जकार्ता-नई दिल्ली की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करती है। इस नई प्रणाली से राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा में प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कई देशों ने ब्रह्मोस में दिखाई दिलचस्पी

रूस की मदद से 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित ब्रह्मोस मिसाइल को खरीदने के लिए कई अन्य देशों ने भी रुचि दिखाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वियतनाम भी 700 मिलियन डॉलर की संभावित डील को अंतिम रूप देने के काफी करीब है। इसके अलावा थाईलैंड, सऊदी अरब, यूएई, ओमान, मिस्र और कुछ लैटिन अमेरिकी देश भी भारत के साथ ब्रह्मोस सौदे को लेकर बातचीत के चरणों में हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखाई थी क्षमता

भारत में बनी ब्रह्मोस मिसाइलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम तक पहुंचाया था। पहलगाम हमले के बाद ब्रह्मोस मिसाइल ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया। उस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में ब्रह्मोस मिसाइल, आकाश मिसाइल और एमआरएसएएम (बराक-8) का इस्तेमाल किया है।

800 किमी की मारक क्षमता

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। यह 3,700 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से लक्ष्य को टारगेट कर सकती है। इसकी रेंज तकरीबन 800 किलोमीटर तक है। यह अपने साथ 200 से 300 किलोग्राम तक वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इसे जमीन, समुद्र और एयर से लॉन्च किया जा सकता है। यह दुश्मन के रडार से बचने के लिए बेहद कम ऊंचाई पर उड़ने में सक्षम है।

वायुसेना की ताकत का किया प्रदर्शन

एयर चीफ मार्शल ने मिग-29 लड़ाकू विमान से भरी उड़ान

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत की वायु सेना का सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन करने के लिए भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने गुरुवार को मिग-29 यूपीजी मल्टी-रोल लड़ाकू विमान को अकेले उड़ाया। एपी सिंह ने एक प्रमुख सीमावर्ती बेस से उड़ान भरी। विमान के लैंड करने का वीडियो भी सामने आया है। एयर चीफ ने बेस पर भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिकों से भी बातचीत की। उन्होंने भारतीय वायु सेना की ऑपरेशनल तैयारी, लड़ाकू क्षमताओं और फ्रॉरवर्ड बेस पर मिशन की तैयारी पर जोर दिया। मिकोयान मिग-29 सोवियत यूनियन का बनाया हुआ एक दो-इंजन लड़ाकू विमान है। भारतीय वायु सेना चार दशकों से इस्तमाल हो रहे अपने मिग-29 फ़्लीट को अपग्रेड करने का फ़ैसला किया था। सोवियत में बना यह विमान 1970 के दशक में बनाया गया था और 1980 के दशक में वायु सेना में शामिल किया गया था।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह

हर तरह से गोला बारूद दागने में सक्षम

मिग-29 के कई वेरिएंट हैं, जिनमें से कुछ का इस्तेमाल भारतीय नौसेना भी करती है। मिकोयान मिग-29 (अपग्रेड) चौथी जेनरेशन का सर्वश्रेष्ठता लड़ाकू विमान है। इस विमान को नई एवियोनिक्स, रडार और हवा ही हवा में रिफ्यूलिंग क्षमता के साथ अपग्रेड किया गया है। यह विमान जानलेवा है और हवा ही हवा, हवा से जमीन और सटीक गोला-बारूद दागने में सक्षम है। मिग 11,000 मीटर (36,000 फीट) पर 2465 किलोमीटर प्रति घंटे (या मैक 2.35) की अधिकतम गति तक पहुंच सकता है। यह 330 मीटर प्रति सेकंड की क्लाइंब रेट के साथ 17,000 मीटर तक चढ़ सकता है।

गाजियाबाद में आतंकी कनेक्शन का खुलासा

जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन से जुड़े हुए 6 संदिग्ध गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में एक बार फिर आतंकी कनेक्शन का खुलासा हुआ है। थाना मसूरी पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संदिग्ध रूप से जुड़े छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी सोशल मीडिया के जरिए जैश-ए-मोहम्मद और अन्य प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े वीडियो देखते थे और उन्हें शेयर करते थे। अन्य लोगों को भी इसके लिए उकसाते थे। गिरफ्तार आरोपियों में एक लॉ का छात्र, एक वकील और एक मस्जिद से जुड़ा मौलाना भी शामिल है। डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि मसूरी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव नाहल का एक युवक लोगों को देश विरोधी गतिविधियों के लिए भड़का रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने सावेज उर्फ जिहादी पुत्र अब्दुल कदीर (20) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसके अन्य साथियों के नाम सामने आने के बाद पुलिस ने कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस गिरफ्त में आतंकी

बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी ने दिखाई 'अवतार' की ताकत

ड्रोन जो हवा में उड़ने के साथ पानी में लगाता है गोता

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

हाल के हमलों में ड्रोन एक निर्णायक हथियार बनकर उभरा है। ईरान अपने शाहेद तो अमेरिका लूकस के जरिए निशाना साध रहा है। इस बीच भारत ने भी कमर कस ली है। बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी एक्वाएयरएक्स ने भारत का पहला एम्फिबियस ड्रोन 'अवतार' बनाया है, जो हवा में उड़ सकता है और पानी के अंदर गोता लगा सकता है। यह ड्रोन आधुनिक युद्ध और निगरानी में क्रांति ला सकता है।

'अवतार' भारत का पहला एम्फिबियस ड्रोन

रक्षा और नागरिक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण

कई परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे

'अवतार' को भारत का दुर्लभ सील ड्रोन कहा जा रहा है, जो हवा और पानी दोनों जगह काम कर सकता है। यह ड्रोन हवा से उड़ान भरता है, पानी में गोता लगा सकता है, पानी के अंदर काम करता है और फिर सतह पर आकर दोबारा उड़ान भर सकता है। कंपनी ने पूल ट्रायल्स और इंडिपेंडेंट प्लेटफॉर्म टेस्ट्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं, जहां एयर-टू-वॉटर ट्रांजिशन दिखाया गया। फिलहाल एडवांस्ड एरियल ट्रायल्स और ओपन वॉटर टेस्टिंग चल रही है।

कॉलेज के दिनों में की शुरुआत

एक्वाएयरएक्स के सीईओ गौतमी और सीटीओ जितेंद्र कुमार पूर्णमल सैनी ने इसकी शुरुआत कॉलेज के दिनों में यूएवी प्रोजेक्ट्स से की थी। मिट्टे मीनाक्षी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के इंजीनियरिंग क्लासमेट्स दोनों ने कोविड काल में इसे आगे बढ़ाया और नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू किया। 'अवतार' ड्रोन 10 किलो तक का भार ले जा सकता है, जिसमें आईएसआर सेंसर्स, सोनार और एकॉस्टिक सेंसर्स लगे हैं।

समुद्री कार्यों की करेगा निगरानी

सिविलियन उपयोग में यह समुद्री फार्मिंग (एक्वाकल्चर) की निगरानी, ऑफशोर ऑयल-गैस प्लेटफॉर्म्स और विंड फार्म्स की इंस्पेक्शन में मदद करेगा। कंपनी का दावा है कि इससे इंस्पेक्शन कॉस्ट 70% तक कम हो सकती है, क्योंकि अलग-अलग ड्रोन या क्रू की जरूरत नहीं पड़ती। स्टार्टअप को रेनमैटर (जेरोधा की निवेश कंपनी), वाइजर, इंडिया एक्सेलरेटर और प्राइम वेंचर पार्टनर्स से फंडिंग मिली है। अगर यह ड्रोन सफल रहा तो यह भारत की ड्रोन टेक्नोलॉजी और मल्टी-डोमेन रोबोटिक्स में बड़ा कदम साबित होगा।

छात्राओं को चिकित्सकों व विशेषज्ञों ने स्वस्थ रहने के दिए जरूरी टिप्स

अवध गर्ल्स डिग्री कालेज व पी.एस.आई इंडिया के तत्वावधान में आयोजन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य परिचर्चा आयोजित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को अवध गर्ल्स डिग्री कालेज के सभागार में आधी आबादी को दें बेहतर सेहत का उपहार विषय पर स्वास्थ्य परिचर्चा आयोजित की गयी। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी.एस.आई.इंडिया) के सहयोग से आयोजित परिचर्चा की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या डॉ. बीना राय ने किया। सभागार में सैकड़ों की तादाद में मौजूद छात्राओं और शिक्षिकाओं को चिकित्सकों ने स्वस्थ रहने के जरूरी टिप्स दिए ताकि उनके हौसलों को उड़ान मिल सके और वह सुनहरे भविष्य निर्माण के लिए संजोए सपनों को साकार कर सकें। पी.एस.आई. इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश शर्मा ने कहा कि नारी उत्थान के लिए किये गए तमाम प्रयासों का ही नतीजा है कि आज आधी आबादी राष्ट्र को एक नई दिशा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सभागार में इतनी बड़ी तादाद में मौजूद बच्चे अपने सुनहरे भविष्य और ऊँची उड़ान के लिए न जाने कितने सपने बुने होंगे, जिन्हें बेहतर स्वास्थ्य के बल पर ही साकार किया जा सकता है। जीवन में लांग टर्म खुश रहने और सफलता के लिए जरूरी है कि अपना रूटीन सुधारें, टाइम मैनेजमेंट पर ध्यान दें, योग और ध्यान को अपनाएँ, समय पर खाने-पीने, पढ़ने और आराम करने का रूटीन बनायें। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति बाजपेयी ने कहा कि पूरी आबादी की जननी महिला ही है। वह पूरे परिवार की ताकत होती है, इसलिए उनके स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना परिवार की भी बड़ी जिम्मेदारी बनती

है। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के बारे में छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए इस समय 14 साल तक की बच्चियों को मुफ्त में लगाई जा रही एच.पी.वी. वैक्सीन के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इन दोनों कैंसर की वजह से हर साल बड़ी संख्या में महिलाएं दम तोड़ देती हैं जबकि वैक्सीन, स्क्रीनिंग व जाँच से बचाव संभव है। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिखा श्रीवास्तव ने स्वस्थ निर्णय लेने के लिए स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं जीवन में कई तरह के शारीरिक बदलावों के दौर से गुजरती हैं, जैसे- मासिक धर्म, गर्भावस्था, मेनोपॉज आदि। इसके लक्षणों और बचाव के बारे में पहले ही उन्हें जागरूक करना बेहतर होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग व व्यायाम को अपनाने पर भी जोर दिया। एसजी पीजीआई की वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्य ने बहुत ही रोचक अंदाज में प्यासे कौवे और मगरमच्छ-खरगोश की कहानियों के आधार पर छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के गुरु मन्त्र दिए। उन्होंने कहा कि जीवन में कामयाब होने के लिए आत्मजागरूकता, सहानुभूति, रचनात्मक सोच, प्रभावी संवाद, तनाव से दूरी आदि बहुत जरूरी है। इस मौके पर केजीएमयू के क्वीन मेरी की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता देव ने कहा कि इंटरनेट या सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर देखकर मिलते-जुलते लक्षणों के आधार पर मेडिकल स्टोर से दवा लेकर सेवन करना घातक हो सकता है। इसलिए प्रशिक्षित और अनुभवी चिकित्सकों की सलाह पर ही दवाओं का सेवन करना चाहिए। आकाशवाणी लखनऊ की डायरेक्टर प्रोग्राम्स सुमोना एस. पाण्डेय ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य ही जीवन की असली पूंजी है। इसी के बल पर हम समस्त सांसारिक सुखों का आनंद ले सकते हैं। अपने अध्यक्षीय भाषण में कॉलेज की प्राचार्या डॉ. बीना राय ने कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यक्रम छात्राओं के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होते हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आज सभागार से संकल्प लेकर निकलें कि चिकित्सकों के इतने ख्यातिलब्ध पैनल ने जो जानकारियां और सुझाव दिए हैं, उनको जीवन में अवश्य अपनाएंगी। उन्होंने आयोजन के लिए पी. एस. आई इंडिया के प्रति आभार भी जताया। इस मौके पर खुले सत्र में छात्राओं ने अपनी जिज्ञासाओं और सवालों को पैनल के सामने रखा, जिसका चिकित्सकों ने सटीक जवाब दिया। पी. एस. आई. इंडिया के स्टेट लीड अमित कुमार ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सीमा अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पी. एस. आई. इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर समरेन्द्र बेहरा, दिनेश पाण्डेय, अनिल द्विवेदी, पारुल, प्रवीण दीक्षित, धर्मेन्द्र सिंह, हर्षिता आदि उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण का बाल रूप देख जयकारों की हुई गूंज

राजस्थान की राधा की माधुर्य भक्ति देख गदगद हुए दर्शक

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। निगोहां क्षेत्र के बाजपेई खेड़ा गांव में रासलीला के पंचम दिवस के आनंदमय आयोजन में मीराबाई की भक्ति श्री कृष्ण का बाल रूप दर्शन सहित अन्य लीलाओं का सजीव मंचन किया जहां बड़ी संख्या में एकत्र श्रद्धालु मीराबाई की माधुर्य भाव की भक्ति देख गदगद हो उठे। वही कार्यक्रम में वृंदावन के रसाचार्य भावेश कृष्ण भारद्वाज के सानिध्य में कलाकारों द्वारा हो रही रासलीला में राजस्थान की राधा कही जाने वाली मीराबाई के चरित्र का एक अद्भुत और शानदार प्रस्तुतीकरण हुआ जिसमें नन्हे गिरिधर गोपाल की मनमोहक सजीव झांकियों ने दर्शकों को पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया मरुस्थल की मंदाकिनी मीरा की अनन्य भक्ति और मनमोहक अमृतवर्षा रूपी भजनों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया जिससे पूरा वातावरण कृष्णमय हो उठा इस दौरान हजारों की संख्या में मौजूद भक्तों को विन्ध्येश्वरी परिवार द्वारा प्रसाद वितरित किया गया गुरुवार देर रात तक हुई रासलीला की प्रेम-भक्ति और मीराबाई के संघर्ष ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ल सोनू शुक्ल विन्ध्येश्वरी आशीष मिश्रा भाजपा नेता अभिषेक शुक्ल अनुराग शुक्ला देवांश शुक्ल मंडल उपाध्यक्ष अर्जुन शुक्ल सहित हजारों भक्त मौजूद रहे।

खेलते हुए शौचालय के छत से गिरी बच्ची, जिला अस्पताल रेफर

डाला सोनभद्र। थाना क्षेत्र अंतर्गत हथवानी गांव के साउडीह टोला में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा घट गई शौचालय के छत गिरने से एक 5 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बच्ची को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।घायल बच्ची की पहचान प्रियंका (5) पुत्री अर्जुन सिंह खरवार, निवासी साउडीह टोला, हथवानी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है। बच्ची के पिता अर्जुन सिंह ने बताया कि प्रियंका गांव के अन्य बच्चों के साथ घर के पीछे बने शौचालय की छत पर खेल रही थी। खेलते समय बच्चे शौचालय के पास लगे पपीते के पेड़ से पपीता तोड़ने लगे। इसी दौरान अचानक शौचालय की छत पर रखी पट्टियां एक साथ गिर गईं, जिससे छत पर मौजूद सभी बच्चे नीचे गिर पड़े। इस हादसे में प्रियंका गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि अन्य बच्चे सुरक्षित बच गए।

किस्तें जमा, फिर भी बकाया! बिजली बिल अपडेट न होने से उपभोक्ता परेशान

अमन लेखनी समाचार

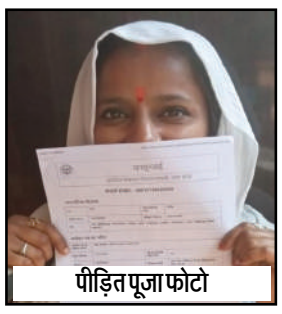

पीड़ित पूजा फोटो

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में बिजली बिल अपडेट न होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भतोइया गांव की निवासी पूजा पत्नी मनीष ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को ऑनलाइन आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता के अनुसार, उन्होंने 17 दिसंबर 2024 को ओटीएस योजना के तहत अपने बिजली कनेक्शन का पंजीकरण कराया था। उस समय उनके खाते पर कुल 16,474 रुपये बकाया था, जिसे विभाग ने 10 किस्तों में जमा करने की व्यवस्था की थी। प्रत्येक किस्त 1,373 रुपये निर्धारित की गई थी। पूजा का कहना है कि उन्होंने सभी किस्तों का भुगतान समय से कर दिया और इसकी रसीदें भी उनके पास सुरक्षित हैं। इसके बावजूद विभाग की ओर से उनके खाते में बकाया राशि अपडेट नहीं की गई। उन्होंने बताया कि 5 जुलाई 2025 को उनके घर स्मार्ट मीटर लगा दिया गया, जिसके बाद 9,500 रुपये का नया बिल जारी कर दिया गया। पूजा जब इस मामले को लेकर मलिहाबाद विद्युत उपखंड कार्यालय पहुंचीं तो उन्हें बताया गया कि पुराने करीब 17 हजार रुपये के बकाये के साथ-साथ नया 9,500 रुपये का बिल भी जमा करना होगा। इससे उपभोक्ता असमंजस में पड़ गईं। पीड़िता का कहना है कि जब उन्होंने सभी किस्तों का भुगतान कर दिया है तो फिर पुराने बकाये की मांग करना अनुचित है। उन्होंने विभाग से बिल को सही तरीके से अपडेट करने और स्मार्ट मीटर से जुड़े बिल में भी सुधार कराने की मांग की है। वहीं, इस मामले ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

फर्जी जीएसटी फर्म से करोड़ों का फर्जी लेन-देन, दो गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

फर्म के नाम पर फर्जी लेनदेन के दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। माल पुलिस और साइबर क्राइम टीम ने फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर करीब 1.77 करोड़ रुपये के फर्जी लेन-देन और कर चोरी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह गरीब और जरूरतमंद लोगों को 10 से 15 हजार रुपये का लालच देकर उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता और मोबाइल नंबर जैसे दस्तावेज हासिल कर लेता था। इसके बाद फर्जी किरायानामा और बिजली बिल तैयार कर उनके नाम से जीएसटी फर्म पंजीकृत कराई जाती थी। इन फर्जी कंपनियों के माध्यम से बोगस इनवाइस और ई-वे बिल बनाकर करोड़ों रुपये का फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) तैयार किया जाता था और अवैध कमीशन लेकर इसे बेचा जाता था। पुलिस उपायुक्त उत्तरी (अपराध) कमलेश दीक्षित ने बताया कि 28 अगस्त 2025 को राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त (जीएसटी ऑडिट अनुभाग) नरेश वर्मा की तहरीर पर माल थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि इब्राहिमपुर माल स्थित रामकली इंटरप्राइजेज नाम से एक फर्जी फर्म बनाकर करीब 1.77 करोड़ रुपये का फर्जी आईटीसी क्लेम किया गया है। जांच में सामने आया कि फर्म का घोषित पता और कारोबार दोनों ही फर्जी थे। पुलिस और साइबर क्राइम टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान चुंगा खां निवासी पहाड़पुर थाना बिसवां जनपद सीतापुर और सलमान रहमानी निवासी नवीउल्लाह रोड, बांसमंडी लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। मामले में दर्ज मुकदमे के आधार पर आगे की जांच जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

कुत्तों का आतंक जारी दस वर्षीय बच्चे पर हमला, ग्रामीणों ने बचाई जान

अमन लेखनी समाचार

घायल अवस्था में हरियांश

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र में शिकारी कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला कैथुलिया गांव का है, जहां शौच के लिए गए एक 10 वर्षीय बालक पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने लाठी-डंडों की मदद से कुत्तों को खदेड़कर उसकी जान बचाई। जानकारी के अनुसार कैथुलिया गांव निवासी मुंशीलाल का बेटा हरियांश शौच के लिए घर से बाहर गया था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे शिकारी कुत्तों के झुंड ने अचानक उस पर हमला बोल दिया। कुत्तों के हमले से घबराकर हरियांश जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुनकर पास में मौजूद ग्रामीणों के साथ उसकी बहनें चांदनी और अमृता भी मौके पर पहुंच गईं। ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर कुत्तों को खदेड़ना शुरू किया। करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद कुत्तों के झुंड को वहां से भगाया जा सका और बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में शिकारी कुत्तों का झुंड लगातार लोगों पर हमला कर रहा है, जिससे गांव के लोग भयभीत हैं। एक मार्च को तरौना गांव निवासी दिलीप की बेटी अंशिका की भी कुत्तों के हमले में मौत हो चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर इन कुत्तों से निजात दिलाने की मांग की है।

डेटा सेंटर इकाइयों को खुले बाजार से बिजली लेने की अनुमति

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राज्य को देश के प्रमुख डेटा सेंटर हब के रूप में विकसित करने के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर योगी सरकार विशेष जोर दे रही है। उत्तर प्रदेश डेटा सेंटर पॉलिसी 2021 के अंतर्गत डेटा सेंटर पार्क के लिए ऊर्जा आपूर्ति और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को सुनिश्चित करने को लेकर कई कदम उठाए हैं। इससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर टेक निवेश को बढ़ावा मिल रहा है।

डेटा सेंटर उद्योग को स्थिर और निर्बाध बिजली आपूर्ति कराने को लेकर योगी सरकार ने दोहरी ग्रिड बिजली व्यवस्था लागू की है। यह व्यवस्था डेटा सेंटर संचालन की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है। ग्रेटर नोएडा में हीरानंदानी समूह द्वारा विकसित प्रदेश का पहला डेटा सेंटर पार्क संचालन में है।

अडानी और एनटीटी जैसी कंपनियों ने भी इस दिशा में कदम

- **ओपन एक्सेस से सस्ती बिजली खरीदने की सुविधा**

बढ़ाए हैं।

प्रदेश सरकार ने डेटा सेंटर पार्क और डेटा सेंटर इकाइयों के लिए 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इसके तहत परियोजनाओं के लिए समर्पित बिजली फीडर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। योगी सरकार का मानना है कि लगातार बिजली आपूर्ति डेटा सेंटर उद्योग के लिए निवेश आकर्षित करने का एक अहम कारक है।

इसके साथ ही ड्यूल ग्रिड पावर सप्लाई का भी प्रावधान नीति में किया गया है। इस व्यवस्था के तहत डेटा सेंटर पार्कों को दो अलग-अलग बिजली स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे किसी एक ग्रिड में समस्या आने की स्थिति में भी डेटा सेंटर का संचालन प्रभावित नहीं होगा। डेटा सेंटर उद्योग में निरंतर संचालन अत्यंत आवश्यक होता है और ड्यूल ग्रिड प्रणाली इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सरकार ने ऊर्जा लागत को कम करने के लिए ओपन एक्सेस के माध्यम से बिजली खरीदने की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। इसके अंतर्गत डेटा सेंटर इकाइयों को खुले बाजार से प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली खरीदने की अनुमति दी गई है।

इससे कंपनियां अपनी जरूरत के अनुसार सस्ती और स्थिर ऊर्जा स्रोतों का चयन कर सकेंगी। इससे संचालन लागत कम होगी और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनेगा। प्रदेश में वर्ष 2030 तक 5 गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर क्लस्टर्स विकसित करने का लक्ष्य रखा है।

सरकार की योजना के अनुसार लगभग 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश से 8 डेटा सेंटर पार्क विकसित किए जाएंगे, जिनकी कुल क्षमता करीब 900 मेगावाट होगी। इनमें से कई परियोजनाओं पर काम जारी है। योगी सरकार अब तक 8 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी कर चुकी है, जिनमें 6 डेटा सेंटर पार्क और 2 डेटा सेंटर इकाइयां शामिल हैं।

बिजली आपूर्ति के अलावा डेटा सेंटर पार्कों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं जैसे सड़क, पानी, सीवर और अन्य औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भी प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जा रहा है। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि डेटा सेंटर परियोजनाओं को आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर समय पर उपलब्ध कराया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत बिजली व्यवस्था और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर डेटा सेंटर उद्योग के विकास की आधारशिला होते हैं। उत्तर प्रदेश में नीति आधारित प्रोत्साहन और बेहतर ऊर्जा व्यवस्था के कारण कई बड़ी कंपनियां यहां निवेश को लेकर रुचि दिखा रही हैं।

मुख्यमंत्री युवा योजना से बनारसी हनी बना आत्मनिर्भरता का प्रतीक

अमन लेखनी समाचार

- **नौकरी छोड़कर शिवानी ने मधुमक्खी पालन से उद्यमिता की शुरूआत की**

लखनऊ। प्रदेश सरकार के नारी सशक्तीकरण और 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के संकल्प को वाराणसी के ओदार गांव की शिवानी पटेल धरातल पर उतार रहीं हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के जरिए शिवानी ने न केवल अपनी किस्मत बदली, बल्कि नारी सशक्तीकरण का जीवंत उदाहरण पेश किया है। उन्होंने मधुमक्खी पालन को आज 'बनारसी हनी' जैसे सफल ब्रांड में तब्दील कर दिया है।

शिवानी ने बताया कि, एक समय था जब वह निजी क्षेत्र में नौकरी करती थीं लेकिन उनका मन अपना व्यवसाय करने का था। इसके बाद उन्होंने अपने सपनों को व्यावसायिक रूप देने का निर्णय लिया और मधुमक्खी के महज 5 बक्सों से अपने सफर की शुरूआत की। किसी भी नए व्यवसाय के लिए सबसे बड़ी बाधा पूंजी के इंतजाम की होती है। शिवानी के सपनों को तब पंख मिले जब उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की ह्यमुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (उट- वश्अ) योजना के बारे में पता चला। योगी सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना से शिवानी को वित्तीय सहायता मिली। इस योजना के तहत शिवानी को ब्याजमुक्त ऋण मिला। सरकार के इस सहयोग ने मधुमक्खियों के और बक्से खरीदे। अब उनको अच्छी कमाई हो रही है। शिवानी बताती हैं कि योजना के तहत ऋण का लाभ मिलने के बाद शहद का उत्पादन इतना बढ़ा कि उन्होंने अपना ब्रांड खड़ा कर लिया। वे खुद बक्सों की निगरानी करतीं हैं। परिजनों की मदद से शहद निकालतीं हैं और उसकी शुद्धता सुनिश्चित करतीं हैं। उनके पास 'मल्टी-फ्लोरल' और 'सरसों' जैसे विभिन्न प्रकार के शहद उपलब्ध हैं। शिवानी पटेल की यात्रा यह साबित करती है कि यदि सही विजन और सरकार का साथ मिले तो महिलाएं किसी भी बाधा को पार कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री 17 को करेंगे कैलाश मानसरोवर यात्रियों का सम्मान

लखनऊ। भगवान शिव का निवास स्थान कैलाश मानसरोवर की यात्रा पूरी करने वाले प्रदेश के कैलाश यात्रियों को सम्मानित किया जाएगा। वर्ष 2025 में यात्रा पूरी करने वाले यात्रियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 17 मार्च को लोक भवन में सम्मानित करेंगे। साथ ही यात्रियों को एक लाख रुपये की अनुदान राशि भी वितरित करेंगे। कैलाश मानसरोवर सेवा समिति के अध्यक्ष के के सिंह ने यह जानकारी दी। मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया 2025 के कैलाश यात्रियों को 17 मार्च को सुबह 11 बजे लोक भवन पर रिपोर्ट करना है। कैलाश यात्री किसी प्रकार की जानकारी के लिए समिति के अध्यक्ष से मोबाइल नंबरों पर 9415004482 व 9792973000 पर संपर्क कर सकते है। समिति के सचिव आरएस भदौरिया ने बताया कि 2025 में लिपू मार्ग से कैलाश यात्रा पर करीब 2.31 लाख रुपये का खर्च आया। वहीं नाथुला मार्ग से यात्रा पर करीब 3.35 लाख का व्यय आया है। इस खर्च को देखते हुए समिति ने प्रदेश सरकार से अनुदान राशि को एक लाख से बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये किए जाने का का अनुरोध किया है।

नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि सृजन, शक्ति संवेदना और साहस का अद्भुत संगम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने आज आर्मी वुमन वेलफेयर एसोसिएशन (ए0डब्लू0डब्लू0ए0) द्वारा सूर्या कमांड, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली वीर नारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि नारी केवल एक शब्द नहीं, बल्कि सृजन, शक्ति, संवेदना और साहस का अद्भुत संगम है। नारी जीवन को जन्म देती है, परिवार को संस्कार देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।

राज्यपाल ने कहा कि नारी का स्वरूप सदैव बहुआयामी रहा है। वह माँ के रूप में वात्सल्य की धारा बहाती है, बहन के रूप में स्नेह प्रदान करती है, पत्नी के रूप में जीवनसाथी की शक्ति बनती है और कर्मयोगिनी बनकर समाज तथा राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि यदि पुरुष शक्ति है तो नारी उस शक्ति की प्रेरणा है और यदि पुरुष साहस है तो नारी उस साहस की आधारशिला है। राज्यपाल ने भारतीय सेना की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सेना साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज भारतीय सेना में महिलाएँ भी अपने पराक्रम, दक्षता और समर्पण के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं तथा नेतृत्व और निर्णय क्षमता के साथ कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा और क्षमता का कोई लिंग नहीं होता। राज्यपाल ने सैनिकों के परिवारों, विशेषकर सैनिकों की पत्नियों और माताओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई सैनिक देश की सीमाओं पर तैनात होता है, तब उसका परिवार भी उतना ही बड़ा त्याग करता है। सैनिक की पत्नी परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए बच्चों के लिए माँ और पिता दोनों की भूमिका निभाती है, जबकि सैनिक की माँ अपने पुत्र को राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित करते हुए अदम्य धैर्य और गर्व का परिचय देती है।

अधूरी छोड़ दी कच्ची सड़क, शिकायत करने पर अभद्रता का आरोप

ग्रामीण ने एसडीएम मलिहाबाद व आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत, मार्ग निर्माण पूरा कराने की मांग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल विकासखंड की ग्राम पंचायत मुड़ियारा में कच्ची सड़क का निर्माण अधूरा छोड़ने और शिकायत करने पर अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगाते हुए एक ग्रामीण ने एसडीएम मलिहाबाद व ऑनलाइन आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। मुड़ियारा निवासी सोनू ने बताया कि गांव में भगवानदीन के घर से पूर्व माध्यमिक विद्यालय तक कच्चे मार्ग का निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण कार्य के दौरान प्रधान व मेटी की ओर से ग्रामीणों से कहा गया कि वे अपने-अपने दरवाजे के सामने स्वयं अपने खर्च से मिट्टी डलवाएं। जबकि इस मार्ग के किनारे लगभग 35 मकान बने हुए हैं और रास्ता खराब होने के कारण बच्चों, बुजुर्गों व ग्रामीणों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण सोनू का आरोप है कि ग्राम प्रधान सुषमा देवी व उनके पति सुरेश कुमार ने सड़क के गड्ढों को भरवाने और निर्माण कार्य पूरा कराने के बजाय अधूरा काम छोड़कर दूसरी जगह निर्माण शुरू कर दिया। जब इस संबंध में उनसे शिकायत की गई तो उन्होंने सड़क न बनवाने की बात कहते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। इस मामले में शिकायतकर्ता ने एसडीएम मलिहाबाद अंकित कुमार को प्रार्थना पत्र सौंपने के साथ ही ऑनलाइन आईजीआरएस पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर अधूरे मार्ग का निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग की है।

विधानसभा अध्यक्ष को मानद उपाधि से सम्मानित किया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना को उनके उत्कृष्ट सार्वजनिक जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण तथा विधानमंडलीय कार्यप्रणाली में नवाचारपूर्ण योगदान के लिए मंगलायतन विश्वविद्यालय, अलीगढ़ की ओर से डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डी.लिट्), मानद की उपाधि से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व और लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए यह सम्मान प्रदान किया। जारी प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि श्री महाना ने उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यप्रणाली को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उनके नेतृत्व में ई-विधान प्रणाली का सफल क्रियान्वयन हुआ, जिसके माध्यम से विधानसभा को कागजरहित और तकनीक आधारित व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाया गया।

इस पहल से कार्यकुशलता बढ़ी है, पारदर्शिता को बल मिला है और विधानसभा की कार्यवाही तक डिजिटल माध्यम से व्यापक पहुँच सुनिश्चित हुई है। इसके अतिरिक्त श्री महाना ने विधायकों की विशेषज्ञता के आधार पर उनके बेहतर उपयोग, महिला जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को प्रोत्साहन तथा क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों के उपयोग को बढ़ावा देने जैसे कई नवाचारपूर्ण कदम उठाए हैं। समन्वय सेतु जैसे मंचों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की पहल भी की गई है। श्री महाना के नेतृत्व और योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक सराहना मिली है। उन्हें वर्ष 2025 में भारतीय छात्र संसद की ओर से आइडियल लेजिस्लेटिव असेंबली स्पीकर अवॉर्ड तथा वर्ष 2024 में अटल सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। मंगलायतन विश्वविद्यालय ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय परंपराओं को सुदृढ़ करने के प्रयास और प्रेरणादायी नेतृत्व भावी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक हैं। इसी के दृष्टिगत विश्वविद्यालय ने उन्हें यह मानद उपाधि प्रदान की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति डा. अच्युतानंद मिश्रा ने की। समारोह में कुलपति प्रो. पीके दशोरा तथा कुलसचिव ब्रिगेडियर डा. समरवीर सिंह तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संक्षेप

पुरानी रंजिश को लेकर जमकर चले लाठी डंडे कई घायल

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अमान खेड़ा निवासिनी शिव कुमारी पत्नी गौरी शंकर ने थाने में तहरीर देकर कहा कि पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही गंगा सागर पुत्र ईश्वर दीन उर्मिला पत्नी गंगासागर शिवानी पुत्री गंगा सागर राजकुमारी पत्नी रामसागर आदि ने मिलकर मुझे व होरीलाल पुत्र गौरी शंकर प्रीति पुत्री होरीलाल सुशील लाल पुत्री गौरी शंकर को लाठी डंडों से मारा पीटा जिससे सभी लोगों को गंभीर चोटे आई विपक्षीगणों ने बुरी तरीके से लाठी डंडों से मारने पीटने के कारण हम लोग अति गंभीर रूप से घायल हो गए तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

घर से विवाद के बाद निकले युवक का पेड़ से लटकता मिला शव

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के गांव लालमन खेड़ा में घर से विवाद के बाद निकले युवक का शव घर से लगभग 1 किलोमीटर दूर नीम के पेड़ से लटका मिला।पत्नी की सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम भेजा है । लालमन खेड़ा निवासी रवींद्र पुत्र दिली उम्र 35 वर्ष जो गांव में ही रहकर बैंड बाजा बजाने का काम करते थे ।5 मार्च बृहस्पतिवार को रात पत्नी से हुए झगड़े के बाद गुस्सा होकर मसाला गुस्से में घर से निकल गया परिवार वालों ने काफी खोजबीन की लेकिन पता नहीं लगा। बृहस्पतिवार सुबह खेत की ओर गए गांव के लोगों ने नीम के पेड़ में रस्सी से लटके मसाला को देखा ।पत्नी राम दुलारी की सूचना पर पहुंचे थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने नीम के पेड़ से शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम भेजा है ।थाना अध्यक्ष ने बताया कि पत्नी की ओर से किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया गया है । मृतक के तीन पुत्रियां व दो पुत्र हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पशुपालन विभाग के अपर निदेशक ने पशु आश्रय स्थल का किया औचक निरीक्षण

उन्नाव। पशुपालन विभाग के अपर निदेशक डॉ अजय कुमार ने असोहा क्षेत्र के कंचनपुर स्थित पशु चिकित्सालय पहुंच कर स्थलीय निरीक्षण किया ,निरीक्षण के दौरान व्यवस्था चाकचौबंद मिली वही से अचानक सरवन गांव स्थित पशु आश्रय स्थल पहुंच कर स्थलीय निरीक्षण करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिए ।पशु आश्रय स्थल पर पहुंच वहाँ पशुवों के लिए भुंसे तथा हरे चारे तथा साफ सफाई देखी , व्यवस्था देख संतुष्ट होते हुए उन्होंने ग्राम प्रधान वंशराज वंशल तथा ग्राम पंचायत अधिकारी समीर तिवारी को निर्देश देते हुए कहा कि हरे चारे की और व्यवस्था करो तथा पशु आश्रय स्थल का नाम तथा जहाँ जो वस्तु रखी जाए उसको चिन्हित करते हुए नाम लिखाया जाए । निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सक डॉ सन्तोष तिवारी ,अंजनी कुमार ,गौरव , रवि ,सचिन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

युवा कल्याण विभाग की मंडलीय खेल प्रतियोगिता में जनपद का शानदार प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता (जोन-लखनऊ) का आयोजन मऊ स्टेडियम, मोहनलालगंज में 11 से 13 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन 11 जनपदों से करीब 600 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।इसमें सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में एथलेटिक्स, कबड्डी, बैडमिंटन, कुश्ती, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, जूडो और फुटबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। जोनल प्रतियोगिता में 14 लोकसभाओं के खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें उन्नाव, रायबरेली, लखनऊ, लखीमपुर, अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, मिश्रिख, सीतापुर, धौरहरा, बाराबंकी और आंबेडकर नगर के खिलाड़ी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में उन्नाव के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। औरास ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा की छात्राओं खुशी और उपासना ने शानदार प्रदर्शन कर जनपद का मान बढ़ाया। सब जूनियर लंबी कूद में उन्नाव की खुशी और जूनियर वर्ग में कृष्णा को रजत पदक प्राप्त हुआ। वहीं जूनियर लंबी कूद में उपासना ने तथा सीनियर लंबी कूद में वृतिका ने स्वर्ण पदक हासिल किया। जूनियर गर्ल्स 800 मीटर दौड़ में उन्नाव की खुशी ने कांस्य पदक जीता, जबकि सब जूनियर 800 मीटर में अदिति ने रजत पदक प्राप्त किया। हाई जंप जूनियर गर्ल्स में उन्नाव की जैनिश तथा सीनियर बॉयज हाई जंप में साहिल ने रजत पदक हासिल किया। वहीं 200 मीटर सीनियर दौड़ में दीपक और वृतिका ने भी रजत पदक जीतकर उन्नाव का गौरव बढ़ाया। टीम स्पधाओं में भी उन्नाव का प्रदर्शन शानदार रहा। सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में उन्नाव की टीम विजेता रही, जबकि जूनियर कबड्डी में उन्नाव उपविजेता बना। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, विद्या सागर मिश्र और ब्रजेश सागर मैदान में मौजूद रहे। वहीं क्षेत्राधिकारी स्तर से आदर्श और विकास रावत भी उपस्थित रहे। संध्या शुक्ला, शिवा तिवारी और पीएसपीएसए जिलाध्यक्ष संजीव संखवार ने उन्नाव के खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्नाव युवा कल्याण विभाग के डीओ ने विजेताओं को मेडल और पुरस्कार प्रदान किए। रामपुर गढ़ौवा के प्रतिभागी बच्चों ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान रनिंग ट्रैक और लंबी कूद पिट की स्थिति बेहतर होती तो खिलाड़ियों को और सुविधा मिलती। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर और अधिक ध्यान दिया जाएगा।

बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को किया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मार्च का महीना जहाँ एक ओर त्योहार का माह हैं वहीं दूसरी ओर वार्षिक परीक्षाएं भी इसी माह में आयोजित होनी हैं। त्योहार तथा स्थानीय मेलों की वजह से विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति प्रभावित हो रही है।जनपद की एस आर जी डॉ रचना सिंह ने अपने सपोर्टिव सुपरविजन के दौरान ब्लॉक बिछिया के प्राथमिक विद्यालय डीह 2 में पाया कि कुछ बच्चे स्थानीय मेले और त्योहार की वजह से विद्यालय में उपस्थित नहीं हैं ।ऐसे में प्रत्येक कक्षा के अनुपस्थित बच्चों को चिन्हित किया गया और अनुपस्थित छात्रों के अभिभावकों को फोन के माध्यम से संपर्क कर बच्चों की अनुपस्थिति का कारण जान गया तथा उनके अभिभावकों को विद्यालय में बुला एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें डॉ रचना सिंह ने कक्षा में बच्चों की नियमित उपस्थिति के महत्व के बारे में समझाया तथा अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने अभिभावकों को बताया कि अनुपस्थित रहने से बच्चे पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं।कक्षा में दी जा रही महत्त्वपूर्ण जानकारियों से वंचित रह जाते हैं।बार - बार अनुपस्थित रहने से पढ़ाई के प्रति लापरवाही की आदत बन जाती है।कक्षा में बहुत सारी गतिविधियां कराई जाती हैं, प्रोजेक्ट बनवाए जाते हैं जिससे वे वंचित रह जाते हैं। डॉ रचना सिंह ने अभिभावकों को बताया कि आगामी 16 मार्च से वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।इस समय विद्यालय में पाठ्यक्रम दोहराव का कार्य शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत बच्चे विद्यालय में उपस्थित हों।कोई भी बच्चा बिना जरूरी कारण अनुपस्थित न रहे जिसका सभी बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने समर्थन किया।बैठक में अभिभावकों में सरस्वती,रामदेवी, किरन, सपना, काजल ,रेनू, विनोदिनी, मीरा, स्नेहलता,माधुरी, विन्धरेश्वरी तथा अन्य उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में कचहरी के पास पड़ा मिला मजदूर का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र में कचहरी परिसर के पास एक 45 वर्षीय मजदूर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे।मृतक की पहचान उन्नाव के मोती नगर निवासी विनोद पाल (45) पुत्र महावीर पाल के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि विनोद दही चौकी क्षेत्र की एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे।वह रोजाना की तरह काम पर निकले थे, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटे।सुबह करीब 8 बजे पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दी।मृतक के बड़े भाई संतोष पाल ने बताया कि उन्हें पुलिस और स्थानीय सभासद से जानकारी मिली कि उनके छोटे भाई का शव कचहरी गेट नंबर-3 के पास मिला है। विनोद पाल की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।पुलिस इसे संदिग्ध मानकर सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की है। आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

टीईटी के विरोध में शिक्षकों की एकजुटता, पोस्टकार्ड अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के विरोध में अब शिक्षकों की एकजुटता धीरे-धीरे मजबूत होती जा रही है। इसी क्रम में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के बैनर तले अटवा, सफीपुर और औरास में शिक्षकों ने एकत्र होकर पोस्टकार्ड अभियान चलाया और संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर टीईटी से छूट देने की मांग की। इस कार्यक्रम का नेतृत्व शिक्षक नेता संजीव संख्वार और अमित तिवारी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित शिक्षकों ने टीईटी लागू किए जाने के प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों पर इतने वर्षों की सेवा के बाद इस प्रकार की अनिवार्यता थोपना अन्यायपूर्ण और अव्यावहारिक है। शिक्षक नेताओं संजीव संख्वार, अमित तिवारी और सौरभ कुशवाहा ने कहा कि इस निर्णय को लेकर पूरे देश का शिक्षक समाज आक्रोशित और आंदोलित है। यदि सरकार शीघ्र ही शिक्षकों के हित में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो देशभर के शिक्षक लोकतांत्रिक तरीके से संसद भवन के सामने प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। इस अवसर पर संजीव संख्वार, अमित तिवारी, ज्ञानेन्द्र कुशवाहा, राजवीर यादव, सुमित गुप्ता, कमल दीप कौर, विश्वनाथ तिवारी, ऋतु त्रिवेदी, सूरज गुप्ता, मनोज कुमार, सुधीर कुशवाहा, अमित, अनुपमा, मदन, शशि प्रभा, सारिका, ममता, अनीता, वंदना, नरेंद्र मौर्या , विजय मिश्रा, सरोजनी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

ब्लाक स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। ब्लाक सभागार मे गुरुवार को कृषि सूचनातंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत विकास खंड स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।राजकीय बीज भंडार प्रभारी महेंद्र सिंह ने मौजूद किसानो को बीज शोधन, रबी की फसलों की सिंचाई व विभिन्न रोगों से बचाव के उपाय बताए।उन्होंने किसानों को फसल बीमा, फार्मर रजिस्ट्री,कृषि यंत्रों पर मिलने वाली छूट, पराली प्रबंधन आदि विषयों की जानकारी दी। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा जिला मंत्री रजनीश वर्मा ने कहा कि वर्तमान सरकार मे कृषि क्षेत्र मे बहुत सुधार हुआ है। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव, श्रीदेवी,अजीत कुमार, राजेश, ब्रजभूषण,कुंवर बहादुर आदि मौजूद रहे।

पड़ाव के नाम पर अवैध वसूली सीएम संबोधित एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर में पड़ाव स्थल की व्यवस्था न होने के बावजूद ई-रिक्शा और ऑटो चालकों से कथित पड़ाव शुल्क के नाम पर जबरन वसूली की जा रही है। इस वसूली को लेकर वाहन चालकों में गहरी नाराजगी है। स्थानीय तहसील के वकीलों ने आज मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

प्रमुख समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामपाल यादव , शादाब खान एडवोकेट व आचार्य केशव प्रसाद अग्निहोत्री सहित कई लोगों ने इस मामले को गंभीर बताते हुए एसडीएम ब्रजमोहन शुक्ला के जरिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। पत्र मे आरोप लगाया गया है कि नगर पालिका परिषद के ठेकेदार बिना किसी अधिकृत पड़ाव स्थल के ही लाठी डंडे के बल पर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों से रोजाना शुल्क वसूल रहे हैं। इससे छोटे वाहन चालकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

पत्र में कहा गया है कि नगर में अभी तक किसी भी स्थान को आधिकारिक तौर पर ई-रिक्शा या ऑटो के पड़ाव के रूप में चिन्हित नहीं किया गया है। इसके बावजूद ठेकेदारों द्वारा चालकों से पैसे की वसूली की जा रही है। कई चालकों ने भी बताया कि उनसे जबरन शुल्क लिया जाता है । जबकि उन्हें कोई सुविधा भी उपलब्ध नहीं कराई जाती।

समाजसेवी रामपाल यादव आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि वाहन चालकों को राहत मिल सके और व्यवस्था पारदर्शी बन सके।

तालाब में उतराता मिला अज्ञात युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह ग्रामीणों ने हैदराबाद कस्बा के पास स्थित एक तालाब में पानी के बीच शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाल कर पहचान कराने की कोशिश की लेकिन सफलता नही मिली मृतक कत्थई कलर की अंडरवियर पहने हुए है और दाहिने हाथ में टैटू बना हुआ है मृतक की उम्र 35 साल के आसपास है और चार पांच दिन पुराना लग रहा है जिससे पहचान नहीं हो सकी इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान नही हुई है शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में शिनाख्त के लिए रखवा दिया गया है सोशल मीडिया के माध्यम से पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

घरेलू गैस सिलेंडर पाने को उपभोक्ताओं में मचा हाय तौबा

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। इजरायल ईरान युद्ध को लेकर जहां घरेलू गैस सिलेंडर पाने को लेकर हाए तौबा मची हुई है गांव में रहने वाले उपभोक्ताओं के मोबाइल पर ओटीपी न आने से बुकिंग नहीं हो पा रही है वहीं एजेंसी मालिक बिना बुकिंग के सिलेंडर देने से खुलकर मना कर रहे हैं। गांव में खोले गए सेल प्वाइंट भी बंद कर दिए हैं वही किसान गेहूं व अन्य फसलों की कटाई को लेकर व खाद की भविष्य की उपलब्धता के की कमी का डर सताने लगा है। ट्रैक्टर मालिक पेट्रोल पंप पर जाकर डीजल स्टाक करने का काम कर रहे हैं। उन्हें पर्याप्त डीजल नहीं मिल पा रहा। किसान भी सहकारी समितियो में मौजूद खाद खरीदने की तलाश कर रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में बिजली प्रयुक्त होने वाले घरेलू सामान इंडक्शन केतली सहित अन्य सामान खरीदने वाले पहुंचने लगे हैं।एक दुकानदार का कहना है कि घरेलू बिजली चलित रसोई समान की बिक्री कुछ शुरू हो गई है।

प्राचीन बाबा सिद्धेश्वर धाम में सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम देवमई स्थित प्राचीन बाबा सिद्धेश्वर धाम मंदिर प्रांगण में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हो चुका है। कथा के दूसरे दिन भागवताचार्य प्रबल जी महाराज ने अपनी मधुर वाणी से श्रोताओं को भागवत कथा का रसपान कराया।बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा पंडाल में उपस्थित होकर भक्ति भाव से कथा का आनंद लेते नजर आए।

कथा के दौरान प्रबल महाराज ने धुंधकारी के प्रेत योनि से मुक्ति की कथा का विस्तार से वर्णन किया और बताया कि भगवान की भक्ति और सत्संग से मनुष्य को सभी कष्टों से मुक्ति मिल सकती है। इसके साथ ही उन्होंने सनद, सनंदन, सनातन और सनद कुमार सहित भगवान के बीस अवतारों का भी विधिवत वर्णन किया भागवताचार्य ने कहा कि जब घोर कलयुग का समय आएगा, तब भगवान विष्णु कल्कि अवतार लेकर धर्म की पुनः स्थापना करेंगे और अधर्म का नाश करेंगे। उन्होंने देवऋषि नारद के पूर्व जन्म की कथा का भी भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।कथा के दौरान पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस ज्ञान यज्ञ का भरपूर लाभ उठाया। कथा श्रवण के बाद श्रद्धालुओं ने कहा कि ऐसी धार्मिक कथाएं जीवन को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।इस कार्यक्रम का आयोजन पथिक पांडे, निर्मल वर्मा टेंट हाउस तथा समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। संगीतमय कथा में ढोलक वादक यशपाल (इटावा) और आर्गन वादक संजय (उन्नाव) ने भी अपनी प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय बना दिया।

नेपाली अफीम तस्कर शाहजहांपुर में गिरफ्तार

मोतिहारी से बरेली ले जा रहा था, 10 हजार रुपये मिलते थे; बेटी के घर में रहता था

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, पुलिस ने बिहार के एक अफीम तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक किलो से अधिक अफीम बरामद हुई है। आरोपी को बरेली में अफीम की तस्करी करनी थी, लेकिन उसे शाहजहांपुर बुलाया गया था, जहां पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरसी मिशन थाना पुलिस को अफीम तस्करी की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना के आधार पर पुलिस ने लखनऊ-बरेली हाइवे पर घेराबंदी की। एक संदिग्ध व्यक्ति के गुजरने पर उसे रोका गया। पूछताछ में संतोषजनक जवाब न मिलने पर तलाशी ली गई, जिसमें एक किलो से अधिक अफीम मिली। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रभु शाह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से नेपाल के मधेस प्रदेश राज्य के परसा जिले के पोखरिया थाना क्षेत्र के बैरिया बिरता का निवासी है। वर्तमान में वह बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के इनरवा थाना क्षेत्र के ग्राम झज्जरी में अपनी बेटी के साथ रह रहा था। पूछताछ में प्रभु शाह ने बताया कि वह यह अफीम बिहार के मोतिहारी जिले से लाया था। उसे यह अफीम बरेली के फरीदपुर थाना क्षेत्र के नगरिया विक्रम निवासी राजू पुत्र मोरसिंह को देनी थी। प्रभु शाह ने राजू को शाहजहांपुर बुलाया था, लेकिन राजू वहां नहीं पहुंचा और इसी दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस तस्करी के बदले उसे 10,000 रुपये मिलने थे। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया है।

क्रिकेट मैच के दौरान झगड़ा, सिर पर बैट लगने से युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

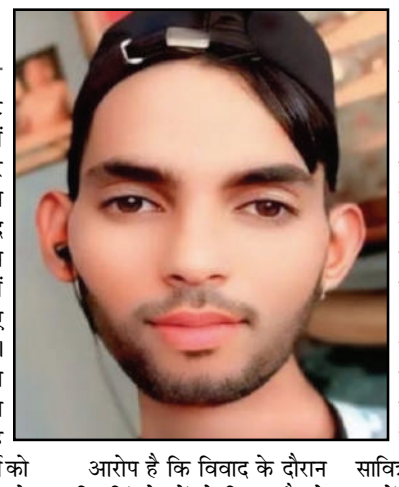

हसनगंज, उन्नाव। क्रिकेट मैच खेलने के दौरान हुए विवाद में युवक के सिर पर बल्ले से वार कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आठ दिन बाद इलाज के दौरान बुधवार देर शाम मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्क हो गई है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर गांव निवासी भूपेंद्र सिंह (23) पुत्र सूरजपाल सिंह 3 मार्च को गांव के बाहर स्थित मैदान में अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट मैच खेल रहा था। इसी दौरान गांव के ही अमित सिंह के साथ होली पर रंग लगाने को लेकर हंसी-मजाक शुरू हो गया। देखते ही देखते मजाक विवाद में बदल गया।मृतक का छोटा भाई संदीप का आरोप है कि विवाद के दौरान अमित सिंह ने भूपेंद्र के सिर पर बैट से वार कर दिया, जिससे वह मौके पर ही जमीन पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया, अन्य दोस्तो ने परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे इलाज के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन हालत में सुधार न होने पर ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार देर शाम उसकी मौत हो गई।

मौत के बाद परिजन शव लेकर गांव पहुंचे। बृहस्पतिवार को पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में दोनों पक्षों के बीच तनाव को देखते हुए पुलिस ने 112 पीआरवी व हल्का पुलिस को भेज कर निगरानी शुरू की। मृतक हसनगंज में ज्वेलर्स के यहां कारीगर के रूप में काम करता था। बेटे की मौत से मां सावित्री, छोटा भाई संदीप सिंह और बहनें अर्चना व कुसुमा रो-रोकर बेहाल हो गई। कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि भाई की तहरीर पर पहले ही मारपीट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज हुई थी, । पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उसी प्राथमिकी में हत्या की धाराएं बढ़ाई जाएंगी।

सम्पादकीय

चर्चा के लिए लाए गए अपने ही विषयों से न भागे विपक्ष

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संसदीय परंपरा और बहस की संस्कृति रही है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि विचारों के टकराव, तर्क-वितर्क और जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा का स्थान है। ऐसे में यदि संसद के भीतर उठाए गए विषयों पर ही राजनीतिक दल चर्चा से कतराने लगें, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंता का विषय बन जाता है। हाल ही में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर जो स्थिति बनी, उसने एक बार फिर इस सवाल को जन्म दिया है कि क्या राजनीतिक दल अपने ही उठाए मुद्दों पर बहस के लिए तैयार हैं। ऐसा है तो फिर वे चर्चा से क्यों भागते हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का मुद्दा जब संसद की कार्यसूची में शामिल था, तब केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जब प्रस्ताव लाया जाता है तो संसदीय नियमों के अनुसार उसके समर्थन में कम से कम 50 सांसदों का खड़ा होना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि विपक्ष प्रस्ताव लाना चाहता है तो उस पर चर्चा की अनुमति दी जाएगी, तब विपक्ष को आगे आकर नियमों के अनुसार अपनी बात रखनी चाहिए थी। दरअसल, संसद में किसी भी प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव या स्थगन प्रस्ताव को लाने की एक निश्चित प्रक्रिया होती है। यदि इन प्रक्रियाओं को दरकिनार कर केवल राजनीतिक शोर-शराबा किया जाए तो संसद की उपयोगिता कम हो जाती है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि वह सरकार की नीतियों पर तार्किक और तथ्यात्मक सवाल उठाए तथा बहस के माध्यम से जनता के मुद्दों को सामने लाए। इस पूरे प्रकरण में यह आरोप लगाया गया कि विपक्ष ने जिस मुद्दे को खुद उठाया, उसी पर चर्चा से बचने की कोशिश की और बीच में अन्य प्रस्ताव लाने का प्रयास किया। यदि यह सच है, तो यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुकूल नहीं कहा जा सकता। संसद में बहस से भागना न तो सरकार के लिए उचित है और न ही विपक्ष के लिए। लोकतंत्र में बहस ही वह माध्यम है जिसके जरिए जनता तक सच्चाई और तर्क दोनों पहुंचते हैं। संसद की कार्यवाही तय करने में बीएसी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही समिति विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए समय और प्रक्रिया निर्धारित करती है। यदि कोई विषय कार्यसूची में शामिल हो चुका है, तो उस पर चर्चा से पीछे हटना या व्यवधान पैदा करना संसदीय प्रक्रिया की गंभीरता को कम करता है। यह भी सच है कि भारतीय संसद में पिछले कुछ वर्षों में व्यवधानों की संख्या बढ़ी है। कई बार महत्वपूर्ण विधेयक और मुद्दे बिना पर्याप्त चर्चा के ही पारित या स्थगित हो जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होती है। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन यह काम नारेबाजी या हंगामे से ज्यादा प्रभावी ढंग से बहस और तथ्यों के जरिए किया जा सकता है। वहीं सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उसे विपक्ष की बात सुनने और उसे पर्याप्त समय देने की राजनीतिक उदारता दिखानी चाहिए। संसद तभी सार्थक बनती है जब वहां सत्ता और विपक्ष दोनों की आवाज सुनी जाए। यदि कोई पक्ष चर्चा से बचता है या दूसरा पक्ष चर्चा को टालता है, तो अंततः नुकसान लोकतंत्र का ही होता है। इसलिए आवश्यक है कि संसद को टकराव नहीं, बल्कि संवाद का मंच बनाया जाए।

युद्ध में मनुष्यता ही हारती है

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

दुनिया इन दिनों युद्ध के साए में जी रही है जिसके लिए शासकों की सनक और उनका गैर जिम्मेदाराना रवैया ही प्रमुख रूप से जवाबदेह है। वर्तमान में अमेरिका-इजरायल और ईरान, रूस-यूक्रेन, पाकिस्तान -अफगानिस्तान और इजरायल-गाजा के बीच युद्ध चल रहा है। इसके अलावा सूडान, म्यांमार, यमन में सिविल वार जारी है। भौगोलिक तौर पर देखें तो दुनिया का 25 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त है। विभिन्न देशों के बीच होने वाले युद्ध तथा गृहयुद्ध के लिए धार्मिक कट्टरवाद, जातीय संघर्ष, अंतर्राष्ट्रीय सीमा विवाद, परमाणु हथियारों का होड़,नशीले पदार्थों का व्यापार, संसाधनों पर कब्जा और शासकों की विस्तारवादी नीति जैसे कारण जिम्मेदार हैं। विभिन्न कट्टरपंथी धार्मिक और अलगाववादी संगठनों को कई सरकारों द्वारा आर्थिक और राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है फलस्वरूप दुनिया में अशांति और हिंसात्मक घटनाएं लगातार बढ़ रही है। अलबत्ता इन अंतर्राष्ट्रीय युद्ध और गृहयुद्ध का अभिशाप आम नागरिकों जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं उन्हें ही भोगना पड़ रहा है। युद्ध के इतिहास पर गौर करें तो आम तौर पर हर जंग में बड़ी संख्या में बेकसूर नागरिकों और सैनिकों की मौत होती है इसके अलावा युद्ध की विभीषिका पलायन, अशिक्षा, बेरोजगारी, अपंगता, बीमारी, भूखमरी, कुपोषण, महामारी और गरीबी का भी मर्ज देती है जिसका दर्द युद्ध पीड़ितों को दशकों-सदियों तक पीढ़ी दर पीढ़ी सालते रहता है।

दुनिया में धार्मिक कट्टरवाद लगातार बढ़ रहा है जिसका असर वैश्विक राजनीतिक पर दृष्टिगोचर हो रहा है। विभिन्न देशों के सरकारों और सेना पर कट्टरपंथी धार्मिक और अलगाववादी संगठनों का सीधा हस्तक्षेप है। ऐसे देश अपने पड़ोसी मुल्कों में हिंसात्मक और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं फलस्वरूप जंग के हालात पैदा हो रहे हैं।गौरतलब है कि अमेरिका - इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की शुरुआत बीते 28 फरवरी को अमेरिकी द्वारा ईरान पर किए गए हमले बाद से हुई है। इस अमेरिकी हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर और शिया मुसलमानों के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला खामेनेई सहित 40 से ज्यादा शीर्षस्थ सैन्य अधिकारी और कमांडर मारे गए। इस हमले के दौरान ईरान के मिनाब काउंटी में एक गर्ल्स स्कूल में बमबारी के चलते 160 स्कूली छात्राओं के मौत की दर्दनाक खबर सामने आई है। दूसरी ओर ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई तेज करते हुए इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के अनेक इलाकों में मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। इस जंग के चलते अभी तक कुल 1,701 लोग मारे गए हैं जिसमें

ईरान के 1,332 नागरिक और सैनिक मारे गए हैं। ईरानी हमले में इजरायल के 11 नागरिक और सैनिक तथा अमेरिका के 6 सैनिकों के मारे जाने की खबरें हैं। लेबनान और अन्य खाड़ी देशों में 339 लोगों की मौत इस युद्ध में होने की खबरें हैं जिसमें बड़ी संख्या में मासूम बच्चों की भी मौत हुई है। इधर अमेरिका और इजरायल ने इस कार्रवाई के पीछे ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके द्वारा अनेक आतंकवादी संगठनों को सैन्य और आर्थिक मदद को जिम्मेदार ठहराया है। विडंबना है कि इन हमलों में 65 स्कूलों और 14 अस्पतालों को भी निशाना बनाया गया है।

हालिया युद्ध के पृष्ठभूमि पर गौर करें तो इसके मूल में इजरायल और गाजा के बीच जारी जंग है। गौरतलब है कि फिलिस्तीनी आतंकी समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में उत्सव मना रहे यहूदियों एवं विदेशी नागरिकों पर पर सशस्त्र हमला किया गया था। इस हमले में 1200 यहूदियों सहित विदेशी नागरिकों का सरेआम कत्लेआम किया गया था और 240 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजरायल और गाजा पट्टी के बीच युद्ध छिड़ गया जिसमें अभी तक 72,000 फिलीस्तीनी मारे गए हैं। अमेरिका - ईरान युद्ध के चलते भारत सहित दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक और व्यापारिक तौर पर मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। भारत से बड़ी संख्या में लोग शिक्षा, रोजगार और पर्यटन के लिए खाड़ी देशों में जाते हैं जो इस युद्ध के चलते अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक खाड़ी देशों में तकरीबन 90 लाख से 1 करोड़ के बीच भारतीय रह रहे हैं जो निर्माण, विमानन, चिकित्सा और नर्सिंग तथा होटल और प्रबंधन क्षेत्र में कार्यरत हैं। ईरान में 2000 कश्मीरी छात्र हैं जिनके अभिभावक चिंतित हैं और भारत सरकार से हस्तक्षेप की गुजारिश कर रहे हैं। इधर भारत सरकार ने 'मिशन स्वदेश' के जरिए बीते एक सप्ताह में 52 हजार से ज्यादा भारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित किया है। अलबत्ता इस जंग का खत्म होना समूची दुनिया के लिए जरूरी है क्योंकि युद्ध के चलते ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (जलडमरूमध्य) को बाधित करने की संभावना है। इस मार्ग से भारत अपने जरूरत का 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा तेल उत्पादन और परिवहन में रुकावट की वजह से दुनिया में पेट्रोल, डीजल और पेट्रोलियम गैस की किल्लत बढ़ेगी जिससे महंगाई बढ़ेगी।

अब बात रूस और यूक्रेन युद्ध की करें जिसकी शुरुआत 24 फरवरी 2022 को हुई थी। इस जंग के शुरूआत में यह दावे किए जा रहे थे कि रूस महज दो हफ्तों में यूक्रेन को घुटने टेकने को मजबूर कर देगी लेकिन आज चार सालों बाद भी जंग जारी है जिसके निकट भविष्य में खत्म होने की संभावना नहीं है। रक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के मुताबिक द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे लंबा चलने वाला युद्ध है जिसने वैश्विक समीकरण बदल दिया है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज 'सीएसआईएस' के मुताबिक इस युद्ध में रुस के करीब 3.25 लाख सैनिक मारे गए हैं तो 2 लाख यूक्रेनी सैनिकों की जान गई है।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बीते 21 फरवरी से जंग जारी है जिसमें पाकिस्तान वायु सेना ने अफगानिस्तान के अनेक प्रांतों में हवाई हमला कर दिया। इधर पाकिस्तानी सेना के मुताबिक अफगानिस्तान के इन इलाकों में आतंकवादी संगठनों के शिविर चल रहे थे जिसके सदस्यों ने पाक के अनेक शहरों में आतंकवादी हमले किए थे।

विचारणीय है कि दुनिया के अनेक देशों और संगठनों ने युद्धरत देशों से युद्धविराम करने की अपील की है बावजूद इन देशों के शासकों के सनक के चलते दुनिया असहाय नजर आ रही है।इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर लगातार सवालिया निशान लग रहा है तथा इसके प्रासंगिकता पर भी बहस जारी है।

दूसरी ओर युद्धग्रस्त देशों का मंजर भयावह है बमबारी के चलते इन देशों के प्रमुख शहर खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। इन देशों के शहरों के सड़कों पर लाशें बिखरी पड़ी है, अस्पतालों में उपचार रत घायल मासूम बच्चों की तस्वीरें हृदय विदारक है। आगजनी और धुआं हर पल को भयावह बना रही है, एंबुलेंस और हवाई हमले के सायरन खामोशी तोड़ रही है। अस्पतालों, स्कूलों, थिएटर और रिहायशी इलाकों में बमबारी के बाद जान बचाने के लिए सड़कों पर बदहवास भागती भीड़ बेहद दर्दनाक है। पानी, दूध, ब्रेड और दवाई के हाहाकार मचाती महिलाओं और बुजुर्गों की भीड़ युद्धरत देशों के शासकों की मनुष्यता पर सवाल खड़ा कर रही है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध में कभी किसी की विजय नहीं होती लेकिन हार हमेशा मनुष्यता की ही होती है। विश्वयुद्ध से लेकर देशों के बीच हुए जंग के नतीजे गवाह हैं कि इन विभिषिकाओं को हमेशा आने वाली पीढ़ी दशकों भोगती है। इस जंग में उन बेकसूर युवा, बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों की जाने जाती है जिनका कोई वास्ता इस युद्ध के जीत या हार से नहीं होती। युद्ध के कोख से ही शरणार्थी जन्म लेते हैं जिन्हें अन्य देशों में शरण लेना पड़ता है। इन शरणार्थियों की नियती शरण लेने वाले देश में की दोयम दर्जे के आदमी की बन जाती है जहां उसे रोटी, कपड़ा और सर पर छत के लिए स्थानीय प्रशासन के रहमो-करम पर निर्भर होने के लिए मजबूर हो जाता है। शरणार्थी समस्या अनेक देशों के लिए जहां आर्थिक बोझ साबित हो रहा है वहीं इससे देश के भीतर अशांति भी पैदा हो रही है। दुनिया भर के शासकों को इन सबकों से सीख लेने की जरूरत है क्योंकि युद्ध से कभी भी मसले हल नहीं होते बल्कि यह केवल प्रलाप और विभिषिका ही लेकर आता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध और गांधी के अहिंसा और शांति की राह चुननी होगी ताकि मनुष्यता की रक्षा संभव हो सके।

मुद्दा

सेंट्रल डेस्क

देश की आर्थिक सेहत बिगाड़ सकता है तेल

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेज उछाल के कारण भारतीय वित्तीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। ईरान से जुड़े बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के चलते तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने निवेशकों में चिंता बढ़ा दी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय मुद्रा और शेयर बाजार दोनों पर दबाव पड़ा। भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले गिरकर 92.33 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप के बावजूद इसमें कमजोरी बनी रही। इसी दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग 3% तक गिर गए, हालांकि बाद में इनमें थोड़ी रिकवरी देखी गई। ब्रेंट क्रूड की कीमत 25% से अधिक बढ़कर लगभग 117 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से ही तेल की कीमतों में कुल मिलाकर 50% से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 89% आयात करता है, यह स्थिति आर्थिक रूप से बेहद संवेदनशील है। तेल महंगा होने से आयात बिल बढ़ता है, महंगाई बढ़ती है, चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ता है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि यह भू-राजनीतिक संकट लंबा खिंचता है, तो इसका असर केवल वित्तीय बाजारों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आर्थिक विकास, सरकारी वित्त और कॉरपोरेट आय पर भी पड़ सकता है।

इस संकट का एक बड़ा पहलू हॉर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक तेल व्यापार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। भारत का लगभग 2.6 मिलियन बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन इसी रास्ते से गुजरता है। यदि इस मार्ग में कोई बाधा आती है, तो भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। कुछ विशेषज्ञों ने इससे भी खराब स्थिति की चेतावनी दी है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि यदि संघर्ष और बढ़ता है और खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होती है, तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर भारतीय रुपये पर भी पड़ा है। तेल महंगा होने पर भारत को आयात के लिए अधिक डॉलर की आवश्यकता होती है, जिससे विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ जाती है। साथ ही वैश्विक अनिश्चितता के समय निवेशक सुरक्षित परिसंपत्तियों, विशेषकर अमेरिकी डॉलर की ओर रुख करते हैं। इन दोनों कारणों से रुपये पर दोहरा दबाव बना है। आरबीआई द्वारा डॉलर बेचकर बाजार को स्थिर करने की कोशिश के बावजूद आयातकों और निवेशकों की मांग के कारण रुपये में कमजोरी बनी रही।

भारतीय शेयर बाजारों में आई गिरावट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के महीनों में कंपनियों के वित्तीय परिणाम बेहतर हो रहे थे। कई कंपनियों ने लगातार कई तिमाहियों में दो अंकों की लाभ वृद्धि दर्ज की थी और विश्लेषकों का अनुमान था कि वित्त वर्ष 2025 से 2027 के बीच निफ्टी कंपनियों की आय लगभग 12% की दर से बढ़ सकती है। लेकिन तेल की कीमतों में उछाल इस सकारात्मक रुझान को प्रभावित कर सकता है। ऊर्जा महंगी होने से विमानन, परिवहन, रसायन, विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों की लागत बढ़ जाती है। यदि कंपनियां यह अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पातीं, तो उनके मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है। साथ ही, ईंधन महंगा होने से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति घटती है, जिससे मांग भी कमजोर पड़ सकती है। हालांकि इन जोखिमों के बावजूद नीति-निर्माताओं का कहना है कि भारत पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है। वर्तमान में देश के पास 250 मिलियन बैरल से अधिक का कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का भंडार है, जो मैंगलोर, पडुर और विशाखापत्तनम जैसे रणनीतिक भंडारण केंद्रों में रखा है। इसके अलावा, भारत ने पिछले दशक में तेल आयात के स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर लगभग 40 देशों तक विविधीकृत किया है, जिनमें रूस, पश्चिम अफ्रीका व अमेरिका भी शामिल हैं।

उपकार

संकलित

दर्शन

किसी संकट एवं कष्ट के समय हर क्षण हमारी जिह्वा पर प्रभु का नाम होता है। मन, कर्म एवं वचन से भी हमें उनके अनुनय-विनय की मुद्रा में ही रहते हैं। फिर एक दिन जब हम प्रभु की अनुकंपा से उन बुरे दिनों की चपेट से उबर जाते हैं तो उन्हें भूल जाते हैं। इस प्रकार जन्म से लेकर आज तक हमारे ऊपर ईश्वर के ऐसे उपकारों का सिलसिला अनंत है। प्रभु के उपकार रूपी ऋण से उऋण होना हम मनुष्यों के लिए जीवनपर्यत असंभव है। धन्य हैं वे करुणानिधान, जिन्होंने विशेष कृपा कर हमें बनाया। हाथ, कान, नाक, पांव, बुद्धि एवं घ्राण क्षमता-सब कुछ कार्योपयोगी। यदि वह एकाध अंग-उपांग से अथवा अनेक जीवनोपयोगी शारीरिक क्षमताओं से वंचित कर विपरीत परिस्थितियों में जन्म दे देते तब भी हमें जीवन जीना ही पड़ता। तो क्या फिर हम अपनी शक्ति एवं सामथ्र्य पर इतना इतरा पाते? बिल्कुल नहीं। तब पल-पल संघर्ष एवं परिश्रम कर सब कुछ डोलना ही होता। प्रभु ने कुछ तो समझ-बूझकर हम मनुष्यों को जीवन की ये तमाम अनुकूलताएं दी होंगी। भगवान ने इतनी सुविधाएं दीं तो बदले में हमने क्या विलक्षण किया? वास्तव में ईश्वर ने हमें ये सारी अनुकूलताएं एवं सुविधाएं कुछ विशेष कार्य करने के लिए दी हैं, न कि केवल व्यर्थ में कुछ विशेष होने-समझने के लिए। समस्या यह है कि औरों के कल्याण एवं हित के लिए प्रभु-दरबार से अनुकंपा पर मिली वस्तुओं को हमने भूलवश नितांत अपना ही समझ लिया। इसलिए आनंद देने वाली उन सब वस्तुओं से भय, क्रोध, लालच, पीड़ा,ईर्ष्या, द्वेष एवं पीड़ा टपकने लगी।

जब कोई झूठा आरोप लगे तो धैर्य न छोड़ें

संकलित

प्रेरणा

द्वारका में एक सूर्य भक्त था सत्राजित। उसे सूर्य देव ने स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। ये मणि रोज बीस तोला सोना उगलती थी। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में देंगे तो इससे मिले धन से प्रजा की अच्छी देखभाल हो सकेगी। सत्राजित ने श्रीकृष्ण को मणि देने से मना कर दिया। इस घटना के कुछ दिन बाद सत्राजित के भाई प्रसेनजित ने मणि चुरा ली। प्रसेनजित मणि लेकर जंगल में भाग गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। मणि जंगल में ही गिर गई। सत्राजित को जब प्रसेनजित और अपनी मणि नहीं मिली तो उसने श्रीकृष्ण पर आरोप लगा दिया कि कृष्ण ने ही मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण पर चोरी और हत्या का कलंक लग गया। श्रीकृष्ण आरोप को गलत साबित करने के लिए जंगल की ओर चल दिए। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पैरों के निशान दिखे।श्रीकृष्ण समझ गए कि प्रसेनजित को शेर ने मार दिया है और मणि यहीं कहीं गिर गई है। श्रीकृष्ण मणि खोजते हुए एक गुफा में पहुंच गए। गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण ने मणि मांगी तो जामवंत ने नहीं दी। इसके बाद दोनों का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीत गए। इसके बाद जामवंत ने मणि श्रीकृष्ण को दे दी और अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी भगवान के साथ कर दिया। द्वारका लौटकर श्रीकृष्ण ने वह मणि जामवंत से लेकर सत्राजित को दे दी और पूरी सच्चाई बता दी।

अंतर्मन

आज की पाती

हंगामे और गतिरोध की संसद

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद को सर्वोच्च मंच माना जाता है, जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि देश की नीतियों, समस्याओं और भविष्य की दिशा पर गंभीर चर्चा करते हैं। किंतु दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद की कार्यवाही बार-बार हंगामे और गतिरोध की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के प्रारंभ से पहले ही जिस तरह हंगामे की आशंका व्यक्त की जा रही है, वह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चिंताजनक संकेत है। विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर तीखी बहस होना स्वाभाविक है, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का अधिकार विपक्ष को प्राप्त है। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि वर्तमान परिस्थितियों में यह प्रस्ताव संख्या बल के आधार पर पारित होने की स्थिति में नहीं है। - विवेक बैनर्जी, रायगढ़

ट्रेंड

बहस से भाग रही कांग्रेस

यह बहुत बुरा है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के लिए कांग्रेस के कहने पर एक नोटिस एडमिट किया गया था, जिसे उन्होंने ठीक से ड्राफ्ट भी नहीं किया था। इसे ठीक किया गया और फिर एडमिट किया गया। आज की तारीख तय की गई थी। -पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री

विपक्ष को हंगामे की आदत

विपक्ष को हंगामा करने की आदत है। वे काम नहीं करना चाहते। आज लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी, लेकिन उन्होंने यूएस-इजराइल बनाम ईरान विवाद पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा, विवाद पर भारत का रुख साफ है। -रामदास अठावले, केंद्रीय मंत्री

विपक्ष को भरोसे में ले सरकार

हमें वेस्ट एशिया में युद्ध के हालात और फ्यूल की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर चर्चा करने की जरूरत है। यह पार्टी का मामला नहीं है। सरकार को विपक्ष को भी भरोसे में लेना होगा। देश में बढ़ती महंगाई और रसोई गैस पर सरकार अपना रुख स्पष्ट करे। -केसी वेणुगोपाल, सांसद, कांग्रेस

विदेश नीति पर चर्चा जरूरी

अमेरिका यह तय कर रहा है कि हमें किससे तेल खरीदना चाहिए। भारत की विदेश नीति पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। सरकार को इस पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अमेरिका कौन होता है जो भारत को बताए कि आपको क्या करना है, क्या नहीं। -अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

बर्फ की चट्टान टूटने से फंसे 23 लोगों को बचाया गया

कनाडा के दक्षिण-पश्चिमी ओंटारियो स्थित जॉर्जियन बे के तट से बर्फ की चट्टान टूटकर बह जाने के बाद उस पर फंसे 23 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ओंटारियो प्रांतीय पुलिस के अनुसार बर्फ का बड़ा टुकड़ा तट से अलग होकर एक मील से अधिक दूरी तक बह गया और कई हिस्सों में टूट गया, जिससे कुछ लोग बर्फीले पानी में आंशिक रूप से डूब गए। ग्रे-ब्रूस इकाई के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रविवार दोपहर कई लोगों के बर्फ पर फंसने की सूचना मिली थी।

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि।

संक्षेप

मजदूरों से मारपीट, आरोपी पर केस दर्ज

जगदीशपुर में दुवारिया पुल के पास हुई घटना, जांच जारी

जगदीशपुर(अमेठी), जनपद के जगदीशपुर क्षेत्र के भाले सुलतान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र में मजदूरी कर घर लौट रहे दो लोगों से मारपीट का मामला सामने आया है।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के पूरे मिर्जा दादरा निवासी रामतीर्थ चौहान पुत्र शिवनाथ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 3 मार्च 2026 को वह अपने चचेरे भाई उदयराज चौहान के साथ मजदूरी करके लौट रहे थे। शाम के समय वे सादीपुर बाजार से सब्जी लेकर घर जा रहे थे। आरोप है कि जब दोनों दुवारिया पुल के पास पहुंचे, तभी गाजनपुर दुवारिया निवासी जन्नू सिंह पुत्र अमरेश सिंह ने उन्हें रोक लिया। जन्नू सिंह ने लाठी, लात-घूंसों से दोनों भाइयों के साथ मारपीट की। इस दौरान उन्हें गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। मारपीट में दोनों को चोटें आईं। पीड़ितों ने बताया कि घटना के बाद वे तुरंत पुलिस को सूचना नहीं दे पाए। उन्होंने 9 मार्च 2026 को थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी। थाना प्रभारी तनुज पाल ने जानकारी दी कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी जन्नू सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच की जा रही है।

अमेठी में अवैध कटान,खनन के खिलाफ किसान यूनियन का प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया

गौरीगंज अमेठी में भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने अवैध कटान, अवैध खनन और नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ प्रदर्शन किया। संगठन के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ मिश्र ने 10 मार्च को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पुलिस प्रशासन पर इन अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इन मुद्दों पर 28 फरवरी 2026 को भी एक ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। संगठन ने अपनी आगे की रणनीति भी बताई है। इसके तहत, सुबह 10 बजे से 11 बजे तक लखनऊ जाने वाली ट्रेन को एक घंटे के लिए रोका जाएगा। इसके बाद, 11 बजे से 12 बजे तक पदाधिकारियों की बैठक होगी और दोपहर 12 बजे से 2:30 बजे तक पदयात्रा निकाली जाएगी।

टीचर की पिटाई के डर से छात्र ने छोड़ा घर

जामों पुलिस ने 3 घंटे में सकुशल खोज निकाला

अमेठी , जामों थाना क्षेत्र में एक निजी विद्यालय के शिक्षक की मार की डर से परेशान होकर कक्षा 9 के एक छात्र के घर छोड़कर चले जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि छात्र विद्यालय में मानसिक और शारीरिक दंड से काफी परेशान था, जिसके कारण वह सुबह स्कूल जाने से बचने के लिए घर से निकल गया। हालांकि सूचना मिलते ही परिजनों और पुलिस की सक्रियता से छात्र को कुछ ही घंटों में खोज लिया गया।

डीएसओ ने गैस गोदामों व प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिले के उपभोक्ताओं को सुविधापूर्वक घरेलू गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर बुधवार को जिला पूर्ति अधिकारी नरेन्द्र तिवारी द्वारा मुख्तार गैस सर्विस (एचपीसीएल), बहराइच इण्डेन गैस सर्विस (आईओसीएल) तथा प्रगति गैस सर्विस (एचपीसीएल) के कार्यालय एवं गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। बाईपास रोड तिकोनी बाग चौकी के निकट स्थित मुख्तार गैस सर्विस एजेन्सी के कार्यालय के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान गैस एजेन्सी के प्रबन्धक व कर्मचारी उपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान उपभोक्ताओं द्वारा अपनी गैस की बुकिंग व केवाईसी का कार्य कराया जा रहा था। प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि एजेन्सी में घरेलू उपभोक्ता 17821 हैं। आज का प्रारम्भिक स्टॉक 14.2 किग्रा० का 502 था तथा आज ऑयल कम्पनी से 335 सिलेण्डर की आमद हुई है। कुल 837 सिलेण्डर के सापेक्ष जांच के समय तक 425 सिलेण्डरों की बिकी हुई थी, अवशेष 412 सिलेण्डर गोदाम पर उपलब्ध हैं। महसी रोड स्थित गोदाम का निरीक्षण करने पर गोदाम में स्टॉक अभिलेखानुसार सही पाया गया। मौके पर प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि उपभोक्ताओं को नियमानुसार उनकी बुकिंग के आधार पर गैस सिलेण्डर निर्गत करें, तथा किसी भी प्रकार की समस्या आने पर अपने विकय अधिकारी एवं अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें। इसी प्रकार हुजूरपुर रोड कटी चौराहा स्थित बहराइच इण्डेन गैस सर्विस के गोदाम के निरीक्षण के दौरान गैस एजेन्सी के प्रबन्धक व कर्मचारी की उपस्थिति में गोदाम का निरीक्षण किया गया। प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि उनके यहां घरेलू उपभोक्ता 34,000 हैं। आज का प्रारम्भिक स्टॉक 14.2 कि.ग्रा. का 784 था तथा आज ऑयल कम्पनी से 342 सिलेण्डर की आमद हुई है। कुल 1126 सिलेण्डर के सापेक्ष जांच के समय तक 903 सिलेण्डरों की बिकी हुई है अवशेष 223 सिलेण्डर गोदाम पर उपलब्ध हैं। गोदाम में उपलब्ध स्टॉक अभिलेखानुसार सही पाया गया। मौके पर प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि उपभोक्ताओं को नियमानुसार उनकी बुकिंग के आधार पर गैस सिलेण्डर निर्गत करें तथा किसी प्रकार की समस्या आने पर विक्रय अधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी को अवगत कराया जाय। इसके अलावा हुजूरपुर रोड कटी चौराहा स्थित प्रगति गैस सर्विस के निरीक्षण के दौरान गोदाम बिना किसी पूर्व सूचना/अनुमति के बन्द पाया गया। गोदाम के कर्मचारी इदरीश को उनके मोबाईल पर वार्ता करके उन्हें मौके पर बुलाया गया। जिनके द्वारा गोदाम का ताला खोलकर अपनी उपस्थिति में निरीक्षण कराया गया। गोदाम में 05 कि.ग्रा. के 18 सिलेण्डर खाली एवं 14.2 कि.ग्रा. के घरेलू सिलेण्डर 830 अदद खाली पाये गये। इसके अतिरिक्त कर्मचारी द्वारा बताया गया कि कामर्शियल के 41 सिलेण्डर हैं जिनमें से 40 सिलेण्डर कनेक्शनधारकों को गये हैं 01 सिलेण्डर भरा हुआ रखा है। गोदाम में कोई भी घरेलू गैस सिलेण्डर नहीं पाया गया, बताया गया कि भरे हुए सिलेण्डर का स्टॉक शून्य है। संभवतः आज कम्पनी से सिलेण्डर आयेगा। गोदाम पर किसी भी प्रकार का कोई सूचना बोर्ड, स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड व विकय अधिकारी का मोबाइल नम्बर आदि महत्वपूर्ण सूचनाओं का प्रदर्शन नहीं पाया गया तथा मौके पर स्टॉक से सम्बन्धित कोई अभिलेख व स्टाक रजिस्टर नहीं दिखाया गया। गोदाम पर साफ-सफाई का भी अभाव पाया गया। डीएसओ ने बताया कि एजेन्सी का उक्त कृत्य आदेशों/निदेशों तथा ऑयल कम्पनी की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है, फलस्वरूप एजेन्सी को उक्त के सम्बन्ध में नोटिस निर्गत कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं।

रूपईडीहा पुलिस ने चोरी के सामान के साथ एक चोर को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। थाना रूपईडीहा पुलिस ने विभिन्न चोरी की घटनाओं में संलिप्त एक आरोपी को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी नानपारा पहुप सिंह के कुशल पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा रमेश सिंह रावत के निर्देशन में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।थाना प्रभारी रूपईडीहा रमेश सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि

उपनिरीक्षक राहुल सरोज मय हमराही पुलिस टीम ने गुरुवार को सुबह लगभग 05:20 बजे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अबरार अहमद (40 वर्ष) पुत्र लड्डन निवासी घसियारन मोहल्ला, थाना रूपईडीहा, जनपद बहराइच के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है, जिसमें एक जोड़ी पायल (सफेद धातु), एक जोड़ी बिछिया (सफेद धातु), एक ताबीज (सफेद धातु), एक चांदी का सिक्का, दो मोबाइल फोन तथा एक हैंड पैकेट सीलिंग मशीन शामिल है।

पुलिस के अनुसार आरोपी विभिन्न चोरी की घटनाओं में वांछित था। इस संबंध में थाना रूपईडीहा पर संबंधित धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को माननीय न्यायालय सदर बहराइच में पेशी के लिए रवाना कर दिया है।

पेराई सत्र 2025-26 के समापन को लेकर जारी हुई प्रथम बंदी सूचना

मिल गेट व क्रय केंद्रों पर जारी रहेगी खुली खरीद

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी करते हुए पारले चीनी मिल परसेंडी प्रशासन ने पेराई सत्र 2025-26 के समापन को लेकर प्रथम बंदी की तिथि घोषित कर दी है। मिल प्रबंधन द्वारा जारी नोटिस के अनुसार आगामी 13 मार्च 2026 को मिल की प्रथम बंदी की जाएगी। मिल प्रशासन ने बताया कि इस सत्र के लिए जारी की गई सभी कैलेंडर पर्चियां पहले ही निर्गत की जा चुकी हैं। इसके साथ ही 13 मार्च 2026 तक मिल गेट और सभी गन्ना क्रय केंद्रों पर खुली खरीद जारी रहेगी। जिन किसानों के खेतों में अभी भी पेराई योग्य गन्ना अवशेष है, उनसे अपील की गई है कि वे बिना देरी किए अपना गन्ना मिल या क्रय केंद्रों पर पहुंचाकर आपूर्ति सुनिश्चित करें। मिल प्रबंधन के अनुसार किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अंतिम दिनों में भी गन्ना खरीद और पेराई की व्यवस्था जारी रखी गई है। जानकारी के मुताबिक मिल गेट पर अब तक लगभग 68 लाख कुंतल गन्ने की खरीद की जा चुकी है, जबकि करीब 3 लाख 20 हजार कुंतल गन्ने की पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मिल प्रशासन ने किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे निर्धारित समय सीमा से पहले अपना गन्ना आपूर्ति कर दें, जिससे पेराई सत्र का समापन सुचारु रूप से किया जा सके।

नानपारा में गैस एजेंसी का एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार / संतोष मिश्रा

बहराइच। गुरुवार को तहसील नानपारा क्षेत्र में घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता का जायजा लेने के लिए एसडीएम नानपारा मोनालिसा जौहरी ने जिला पूर्ति अधिकारी नरेंद्र तिवारी, पूर्ति निरीक्षक बलहा, नबाबगंज के साथ विभिन्न गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गैस गोदाम, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को दी जा रही आपूर्ति की स्थिति की जांच की गई। एसडीएम ने एजेंसी संचालकों को स्पष्ट सख्त निर्देश दिए कि सभी उपभोक्ताओं को समय से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नानपारा क्षेत्र में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। इस दौरान एसडीएम ने एक नई पहल करते हुए एक व्हाट्सएप का ग्रुप बनाते हुए उस पर सभी पूर्ति निरीक्षक व सभी गैस एजेंसी के सेल्स ऑफिसर के नंबर सार्वजनिक किए हैं तथा कंट्रोल रूम का नंबर भी दिया, एसडीएम ने सभी से अपील करते हुए कहा है कि किसी को भी कोई समस्या हो तो वह इन नंबरों पर संपर्क करके बात कर सकता है तत्काल ही समस्या का समाधान कराया जाएगा। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि गैस की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक भीड़ न लगाएं। सभी उपभोक्ताओं को नियमानुसार गैस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी उपभोक्ता को गैस से संबंधित कोई अन्य समस्या है या कोई जानकारी लेनी है तो वह तहसील में पूर्ति निरीक्षक से अथवा संबंधित गैस एजेंसी के सेल्स ऑफिसर से वार्ता कर सकते हैं तथा टोल फ्री नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं। तहसील प्रशासन नानपारा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि क्षेत्र में गैस की आपूर्ति सुचारु रूप से चल रही है और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। कृपया अफवाहो पर ध्यान ना दें।

अवध वाटिका साहित्य संस्थान की पाक्षिक गोष्ठी आयोजित

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। अवध वाटिका साहित्य संस्थान एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कल्याण परिषद बहराइच के संयुक्त तत्वावधान में नियमित पाक्षिक कवि गोष्ठी का आयोजन सेनानी भवन सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष पीके प्रचण्ड ने तथा मंच संचालन रामसूरत वर्मा जलज ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ जलज जी द्वारा प्रस्तुत माँ वीणा पाणि की वंदना से किया गया। होली मिलन विशेष इस कार्यक्रम में कवि विनोद कश्यप जी ने अपनी रचना से कार्यक्रम को गति प्रदान की। इसके बाद कवि सुनील कुमार ने पढ़ा - रनफरतें भी जलाना तुम होली जब जलाना तुम, दिल से दिल मिलाना तुम होली जब मनाना तुम। कवि विनोद पाण्डेय, किशोरी लाल चौधरी, अब्दुल रफी खान बम्बर बहराइची, शहनवाज व शैलेन्द्र मिश्र ने भी होली विशेष पर रचनाएं प्रस्तुत की। इसके बाद कवि तिलक राम अजनबी ने पढ़ा-रअंग तरंग उमंग भरे जो ,जन जन में अहलाद है होली,तन की मैल के संग मिटावत, मन के सब अवसाद है होली। रईस सिद्दीकी ने पढ़ा-रचार सू मोहब्बत में रंग भरती है होली। नफरतें भी जलती हैं जब ये जलती है होली।र कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डा. ऋचा श्रीवास्तव ने भी अपनी रचना के माध्यम से अपने भावों को समर्पित किया। अंत में हास्य कवि पीकेप्रचण्ड जी ने अपनी रचना पढ़ी- ररहे न रंग से वंचित कोई इस बार होली में। करें मिलजुलकर सबपे रंग की बौछार होली में। इस अवसर पर रमेश चन्द्र मिश्र, राजकिशोर वर्मा, संजय वर्मा ,दीपेन्द्र पाण्डेय एडवोकेट सहित भारी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

घर लौटे महेश कुमार का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

गौरा पिपरा निवासी महेश जायसवाल की सफलता से क्षेत्र में दिखा उत्साह

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 590वीं रैंक हासिल करने वाले तहसील क्षेत्र के ग्राम गौरा पिपरा निवासी महेश कुमार के प्रथम आगमन पर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। महेश के घर लौटने की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण कुडवा मोड़ पर एकत्र हो गए और उनका जोरदार तरीके से भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने महेश कुमार को फूल-माला पहनाते हुए और पुष्प वर्षा भी की इस दौरान युवाओं और ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। स्वागत के बाद मिहींपुरवा से गौरा पिपरा तक लगभग 15 किलोमीटर जुलूस का काफिला रवाना हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय ग्रामीण शामिल रहे। पूरे रास्ते महेश कुमार के समर्थन में नारे लगते रहे और लोग उन्हें बधाई देते दिखाई दिए ।ग्रामीणों ने कहा कि मिहीपुरवा के ग्रामीण क्षेत्र के बसे इस पिछड़े इलाके से निकलकर देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा यूपीएससी में सफलता हासिल करना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। महेश की उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को नई प्रेरणा मिली है और यह साबित हुआ है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद लगन और मेहनत से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने महेश कुमार के माता-पिता को भी बधाई दी और उनके संघर्ष व संस्कारों की सराहना की। लोगों का कहना था कि महेश की इस सफलता ने पूरे इलाके का मान बढ़ाया है ।गांव पहुंचने पर भी महेश कुमार का स्वागत सिलसिला देर तक चलता रहा। ग्रामीणों, रिश्तेदारों और क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आयल एवं गैस की सुगम आपूर्ति के लिए जिलाधिकारी ने बनाई रणनीति

नगर क्षेत्र व तहसीलों के लिए गठित की गई टीमें

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जनपद में डीजल/पेट्रोल पम्पों व गैस एजेन्सियों पर सतत निगरानी रखते हुए डीजल/पेट्रोल व गैस सिलेण्डरों की जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखने तथा डीजल/पेट्रोल पम्पों एवं गैस एजेन्सियों पर उपस्थित नागरिकों को नियमानुसार डीजल/पेट्रोल एवं गैस सिलेण्डर की नियमानुसार आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा समस्त तहसीलों में सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों एवं नगर क्षेत्र के लिए नगर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा गठित टीमों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत भ्रमणशील रहकर कार्यरत डीजल/पेट्रोल पम्पों व गैस एजेन्सियों पर सतत निगरानी रखते हुए डीजल/पेट्रोल व गैस सिलेण्डरों की जमाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखते हुए डीजल/पेट्रोल पम्पों एवं गैस एजेन्सियों पर उपस्थित नागरिकों को नियमानुसार गैस सिलेण्डर की आपूर्ति सुनिश्चित करायें तथा यदि गैस एजेन्सियों/पम्प धारकों द्वारा किसी प्रकार की अनियमितता/मनमानी किया जाना पाया जाता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही हेतु आख्या प्रस्तुत करें, ताकि सम्बन्धित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

नगर क्षेत्र के लिए गठित टीम में नगर मजिस्ट्रेट, जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक नगर, सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, ऑयल कम्पनी तथा एल.पी.जी. कम्पनी के विक्रय अधिकारी सम्मिलित है। तहसील सदर के लिए उप जिलाधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक चित्तौरा, रिसिया, हुजूरपुर, तेजवापुर, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, ऑयल कम्पनी तथा एल.पी.जी. कम्पनी के विक्रय अधिकारी तथा तहसील पयागपुर के लिए उप जिलाधिकारी, सम्बन्धित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक पयागपुर, विशेश्वरगंज एवं हुजूरपुर, सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, ऑयल कम्पनी तथा एल.पी.जी. कम्पनी के विक्रय अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसी प्रकार तहसील कैसरगंज क्षेत्र के लिए उप जिलाधिकारी, सम्बन्धित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक कैसरगंज, जरवल, फखरपुर एवं हुजूरपुर, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष कैसरगंज, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, ऑयल कम्पनी तथा एल.पी.जी. कम्पनी के विक्रय अधिकारी, तहसील महसी के लिए उप जिलाधिकारी, सम्बन्धित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक महसी, तेजवापुर व शिवपुर, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष महसी, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, ऑयल कम्पनी तथा एल.पी.जी. कम्पनी के विक्रय अधिकारी, तहसील नानपारा के लिए उप जिलाधिकारी, सम्बन्धित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक नवाबगंज, शिवपुर, बलहा व रिसिया, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष नानपारा, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, ऑयल कम्पनी तथा एल.पी.जी. कम्पनी के विक्रय अधिकारी तथा तहसील क्षेत्र मोतीपुर के लिए उप जिलाधिकारी, सम्बन्धित क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक मिहींपुरवा व बलहा, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष मोतीपुर, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान, ऑयल कम्पनी तथा एल.पी.जी. कम्पनी के विक्रय अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

खड़े ट्रक से दो बाइक टकराईं

पिता-पुत्री समेत 3 की मौत, 4 की हालत गंभीर; रायबरेली रेफर

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , बांदा-टांडा हाईवे पर देर शाम सड़क हादसे में पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा फुरसतगंज के निगोहा के पास हुआ। जहां दो मोटरसाइकिलें सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराईं। हादसे में जायस के गांधीनगर निवासी अतुल (35), 6 साल की बेटी दिशा और फरदीपुर परवर निवासी हीरालाल की मौत हो गई। सभी घायलों को तुरंत सीएचसी फुरसतगंज पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल रानी, पल्लवी (18), शिवानी (18) और माही (12) को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रायबरेली रेफर कर दिया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

दो बाइकों पर सवार होकर जा रहे थे रिश्तेदार

जानकारी के मुताबिक ओदारी गांव निवासी सत्यनारायण ने बताया कि उनके रिश्तेदार अतुल अपनी पत्नी रानी और बेटी दिशा के साथ बाइक से संदी राम गांव जा रहे थे। दूसरी बाइक पर हीरालाल अपनी बेटी पल्लवी और रिश्तेदार शिवानी व माही के साथ सवार थे। हीरालाल मजदूरी का काम करता था। तेज रफ्तार वाहन से बचने में हुआ हादसा निगोहा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन से बचने के प्रयास में दोनों बाइकें सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराईं। टक्कर इतनी तेज थी कि सातों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। 7 मिनट में पहुंची एंबुलेंस, 20 मिनट में पहुंचे सीएमओहाईवे पर सड़क हादसे की सूचना मिलते ही राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। करीब सात मिनट के भीतर एंबुलेंस और पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

खेत में ट्रॉली टच हुई हाईटेंशन लाइन, डेढ़ साल पहले हुई थी बेटे की शादी

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, खेत में काम करने के दौरान करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। दोनों ट्रॉली से खेत में खाद बिखेर रहे थे। इस दौरान ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आ गए। घटना दोपहर एक बजे प्रतापगढ़ जिले के अरनोद थाना क्षेत्र के खरखड़ा गांव की है। अरनोद थाने के एसआई सोहनलाल ने बताया- खरखड़ा निवासी गोवर्धन डांगी (60) अपने बेटे नरेंद्र डांगी (25) के साथ खेत में काम कर रहे थे। जहां दोपहर एक बजे ट्रॉली की मदद से देशी खाद खेत में डाली जा रही थी। इस दौरान ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन का झूलता तार ट्रॉली के संपर्क में आ गया। जिससे दोनों करंट की चपेट में आने से गंभीर घायल हो गए। इसके बाद ग्रामीण उन्हें अरनोद अस्पताल लेकर आए, जहां दोनों ने दम तोड़ दिया। तीन महीने पहले बेटी का हुआ था जन्म ग्रामीण दशरथ डांगी ने बताया- नरेंद्र की डेढ़ साल पहले ही शादी हुई थी। घर पर तीन महीने पहले ही बेटी का जन्म हुआ था। गोवर्धन डांगी का पूरा परिवार कृषि पर निर्भर है। उनके दो अन्य बेटे भी कृषि का ही काम करते हैं। ग्रामीण बोले- कई जगहों पर झूल रहे बिजली के तारगांव वालों का कहना है कि क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के तार काफी नीचे झूल रहे हैं, जिससे खेतों में काम करने वाले किसानों के लिए हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है।

पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

पुलिस ने आसपास की दुकान और एरिया खाली कराया, 12:30 बजे मिला था ई-मेल

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास की दुकान और क्षेत्र को खाली कराया। धमकी दोपहर 12:30 एक ईमेल के जरिए मिली थी ।एएसपी और सीआई मौके पर पहुंच शहर के कृषि मंडी रोड स्थित अंबिका राजराजेश्वरी मंदिर के समीप यह पोस्ट ऑफिस स्थित है। सूचना मिलते ही एएसपी गजेंद्र सिंह जोधा और सीआई शंभू सिंह मौके पर पहुंचे और पोस्ट ऑफिस का जायजा लिया। ई-मेल मिलने के बाद पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। सभी दुकानों को कराया बंद पोस्ट ऑफिस के आसपास की सभी दुकानों को बंद करवा दिया गया है। पूरे क्षेत्र को रस्सी लगाकर चारों ओर से सील कर दिया गया है। अन्य अधिकारी और तमाम प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार मौके पर पहुंच रहे हैं। सूचना के बाद बम निरोधक (बम डिस्पोजल) टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने संदिग्ध वस्तु की जांच की प्रक्रिया शुरू की। सुरक्षा की दृष्टि से आसपास के क्षेत्र में सतर्कता बरती गई और आमजन की आवाजाही पर भी नजर रखी गई। जिला कलेक्टर ने की निगरानीपूरे मामले को लेकर जिला कलेक्टर अंजलि राजोरिया लगातार अधिकारियों के संपर्क में बनी रहीं और घटनास्थल से पल-पल की जानकारी लेती नजर आईं। प्रशासन द्वारा स्थिति पर पूरी तरह नजर रखी जा रही है और एहतियात के तौर पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

संक्षेप

बागपत में बुग्गी से टकराई बाइक

सड़क पार करते समय दंपति घायल, अस्पताल में भर्ती

बागपत , क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक दंपति घायल हो गया। यह घटना तब हुई जब वे मजदूरी के पैसे लेने जा रहे थे। राहगीरों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, बुढाना निवासी नीटू पुत्र हरबीर अपनी पत्नी दीपा के साथ पिछले लगभग दो साल से गौरीपुर गांव में किराए के मकान में रह रहा है। नीटू पास के एक ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करता है, जबकि उसकी पत्नी दीपा हरियाणा में खेतों में मजदूरी करके परिवार का सहयोग करती है। दंपति अपने मेहनताने के पैसे लेने के लिए जा रहे थे। गेटवे स्कूल के पास स्थित कट पर सड़क पार करते समय उनकी बाइक अचानक एक बुग्गी से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए हादसे को देखकर आसपास मौजूद लोग मौके पर जमा हो गए। राहगीरों ने तुरंत घायलों को संभाला और उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस कट पर अक्सर वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है और पहले भी यहां कई हादसे हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने इस स्थान पर यातायात व्यवस्था बेहतर करने और सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।फिलहाल, दंपति का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों में भी चिंता बनी हुई है।

पुलिस को आईजीआरएस में प्रदेश में पहला स्थान मिला

शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से मिली यह उपलब्धि

बागपत , पुलिस ने फरवरी माह में आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रिवेंस रिड्रेसल सिस्टम) पर शिकायतों के निस्तारण में पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि बागपत पुलिस की पारदर्शी, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण कार्यप्रणाली को दशार्ती है। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में बागपत पुलिस ने यह सफलता प्राप्त की। आईजीआरएस एक ऑनलाइन प्रणाली है जिसके माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कराते हैं। इन शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान करना अनिवार्य होता है। बागपत पुलिस ने प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उनका समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया, जिसके परिणामस्वरूप फरवरी माह की रैंकिंग में यह पहला स्थान मिला।इस उपलब्धि में जनपद के सभी थाना प्रभारियों, पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी थानों की टीमों ने शिकायतों को प्राथमिकता दी और उनके त्वरित निस्तारण के लिए लगातार प्रयास किए। आईजीआरएस प्रभारी और उनकी टीम ने शिकायतों की निगरानी, समय-सीमा का पालन और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जनता की शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बागपत पुलिस ने इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया और समय पर उसका निस्तारण किया। शिकायतकताओं की संतुष्टि को भी विशेष महत्व दिया गया।

भव्य शोभा यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ आर्य समाज वार्षिकोत्सव समारोह

97 वर्ष पूरे होने पर वेद पुराण तथा प्राचीन ऋषि परंपरा का हो रहा निर्वहन

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे में स्थापित आर्य समाज मंदिर प्रांगण अंतर्गत प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से वार्षिकोत्सव समारोह प्रारंभ हुआ ऋषियों की परंपरा का निर्वहन करते हुए वेद मंत्रों के साथ हवन यज्ञ का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया 97 वर्ष पूरे होने पर वार्षिकोत्सव समारोह अंतर्गत भव्य शोभा यात्रा निकाली गई समिति द्वारा मिली जानकारी के अनुसार वार्षिक उत्सव समारोह अंतर्गत चार दिवसीय भव्य आध्यात्मिक महोत्सव आयोजित किया गया है जिसमें कोलकाता से पधारे विद्वान आचार्य पंडित ब्रह्मानंद शास्त्री कानपुर महानगर से पधारे आचार्य पंडित रामप्रसाद शास्त्री ने भजन प्रवचन सुनाते हुए अध्यात्म की अविरल धारा प्रवाहित की आचार्या मीरा शास्त्री के मुखारविंदु से निकले वैदिक मंत्रों के बीच सर्वप्रथम प्रथम दिवस हवन यज्ञ प्रारंभ हुआ प्रथम दिवस यजमान कोमल आर्या अग्निवेश आर्या समेत पहुंचे भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ कार्य संपन्न किया मंच पर विराजमान जनपद एवं अंतर्जनपदीय तथा अन्य प्रांत से पधारे विद्वान आचार्यों के मुखारविंद से प्राचीन संस्कृति ऋषि परंपरा तथा गूढ़ रहस्य का वर्णन विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया गया विद्वानों ने बताया बिना यज्ञ के जीवन अधूरा है वही भजनोंपदेशक रामसेवक ने सुंदर-सुंदर भजनों के माध्यम से समूचे परिसर को गदगद कर दिया इस मौके पर आर्य समाज मंदिर के महामंत्री प्रकाश वीर आर्य द्वारा मिली जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम अनवरत 15 मार्च तक चलेगा जिसमें प्रतिदिन प्रातः हवन यज्ञ मध्याह्न काल में कथा तथा रात की कालीन बेला में उपदेश मंच के माध्यम से जनता तक पहुंचाए जाएंगे शोभा यात्रा में कस्बे के वयोवृद्ध की शिक्षक मूलचंद आर्य आचार्य ब्रह्मा नारायण दिनेश आर्य गणेश आर्य नीरज प्रीती रमेश सुजीत सुनील आचार्य युद्धवीर उमा देवी आराध्या नंदलाल आर्य समेत भारी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक व भक्तगण मौजूद रहे

बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना हम सभी की प्राथमिकता- श्रवण कुमार पाल

बीआरसी सभागार में आयोजित हुई एकदिवसीय कार्यशाला

अमन लेखनी समाचार

समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। शिक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने हेतु उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए खंड शिक्षाधिकारी की अगुवाई में जनपद के अमौली विकासखंड ब्लॉक संसाधन केंद्र सभागार अंतर्गत विद्यालय प्रबंध समिति की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई कार्यक्रम में उपस्थित विकासखंड शिक्षा क्षेत्र के विद्यालयों के प्रधानाध्यापको एवं प्रबंध समिति के सदस्यों के मध्य खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षा को नवीन दिशा प्रदान करते हुए महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की खंड शिक्षाधिकारी श्रवण कुमार पाल ने उपस्थित जन समुदाय से सीधा संवाद स्थापित करते हुए सभी शिक्षकों को अपने कर्तव्यों के प्रति तत्पर रहते हुए जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए प्रेरणा दी वही जरूरी दिशा निर्देश देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि नौनिहाल बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना हम सभी का परम कर्तव्य है जिसके लिए तन मन से तन्मयता पूर्ण होकर सभी शिक्षक शैक्षिक वातावरण को मजबूत बनाने का प्रयास करें इस मौके पर प्रधानाध्यापक अनिल उमराव सर्वेश अवस्थी कमल किशोर लक्ष्मी शंकर मिश्रा शैलेंद्र सचान मधुसूदन सिंह प्रशिक्षक सुधाकर तिवारी सौरभ उमराव ललित कुमार गौरव वर्मा प्रधानाध्यापिका सरोज सोनकर मनीषा शुक्ला सुमन वर्मा सीमा वर्मा समेत सभी विद्यालयों के शिक्षक व प्रबंध समिति के भारी संख्या में पहुंचे पदाधिकारियों ने सहभागिता निभाई

सीपीआई (एम) का ईरान पर हमले के विरोध में प्रदर्शन

भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग, डीएम कार्यालय पर दिया ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की मेरठ जिला इकाई ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के विरोध में प्रदर्शन किया। पार्टी ने भारत सरकार से इन हमलों को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस युद्ध का दूरगामी परिणाम बहुत भयंकर होने वाला है। पार्टी के जिला सचिव विजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया कि भारत सरकार को हस्तक्षेप कर युद्ध पर विराम लगाने का प्रयास किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि ये हमले क्षेत्र में अस्थिरता का कारण बन रहे हैं। इस युद्ध का असर एशिया समेत भारत पर भी देखने को मिल रहा है। सीपीआई (एम) की मुख्य मांगों में भारत सरकार द्वारा इन हमलों को रोकने के लिए शीघ्र प्रयास करना शामिल है। पार्टी ने भारत से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का भी आग्रह किया।

उनका कहना है कि इस युद्ध में विदेश में पढ़ाई कर रहे बड़ी संख्या में भारतीय फंसे हुए हैं। सबसे पहले तो सरकार ऐसे भारतीयों को देश में वापस लेकर आने का काम करें, और युद्ध रोकने के प्रयास भी किए जाए।

जबरन धर्म परिवर्तन कराने वाले युवक तथा महिला पर मुकदमा दर्ज

महिला को दिल्ली ले जाकर धर्म परिवर्तन कराने का किया प्रयास

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के राधा नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर देते हुए न्यायकी गुहार लगाई हिंदू संगठन के साथ पहुंची महिला ने राधा नगर थाना प्रभारी को लिखित तहरीर देते हुए बताया कि वह अपने पति के साथ शहर में एक किराए के मकान में रहती है जहां पीड़िता की महिला मित्र ने दिल्ली घूमने के बहाने ले जाकर जबरन धर्म परिवर्तन करने का प्रयास किया मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता की मित्रता शहर के गंगानगर कॉलोनी में निवास करने वाली महिला फिजा खातून पुत्री नसीम से हुई दोनों में मित्रता हो गई तथा घर में आना-जाना प्रारंभ हो गया कुछ दिनों बाद फिजा की समस्या से अवगत होकर पीड़ित महिला ने 46000 उधार रूप में दिए समय गुजरते जब पीड़िता ने अपना पैसा वापस मांगा तो महिला फिजा उसकी बात को नजर अंदाज करने लगी वहीं विगत 18 फरवरी को पीड़िता को बहाने से दिल्ली ले गई जहां एक शहजादा नाम के युवक के घर पीड़िता को रोका गया वहीं रात्रि समय महिला फिजा तथा मकान में निवास करने वाले शहजादा ने उसे पति से अलग रहने के लिए सलाह दी तथा मुस्लिम धर्म अपनाकर शहजादा से शादी करने का दबाव बनाया यह सुनकर पीड़िता ने विरोध किया तो पीड़िता को दोनों ने मिलकर एक कमरे में बंद करते हुए मारपीट तथा गाली गलौज करते हुए जबरन मुस्लिम धर्म अपनाने का दबाव डाला पीड़िता को बंधक बनाकर रखा जहां 21 फरवरी को पीड़ित महिला किसी प्रकार निकलकर वहां से भाग सकी और अपने पति को बताया कि उसकी अश्लील फोटो बनाकर मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए मुस्लिम धर्म अपनाने का उससे दबाव बनाया गया यह जानकारी जैसे ही हिंदू संगठन के कार्यकताओं को मिली तो कार्यकताओं ने महिला के साथ पहुंचकर राधा नगर थाना में लिखित तहरीर देते हुए न्याय की गुहार लगाई थाना प्रभारी ने तहरीर स्वीकृत करते हुए फतेहपुर सदर के गंगानगर कॉलोनी निवासी फिजा खातून तथा दिल्ली शहर में निवास करने वाले शहजादा के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2) 352 तथा 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए कार्रवाई की थाना प्रभारी ने बताया की तहरीर मिली है जांच की जा रही है यदि दोस सिद्ध हुआ तो निश्चित रूप से दंडात्मक कार्रवाई कीजाएगी

जिला पूर्ति अधिकारी ने तेल कंपनियों के साथ की बैठक

मेरठ में घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति शत-प्रतिशत, प्रयाप्त मात्रा में स्टॉक

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , जिला पूर्ति अधिकारी ने तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में बताया गया कि जनपद में सभी एलपीजी उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडरों की शत-प्रतिशत आपूर्ति की जा रही है। तेल कंपनियों ने आश्वस्त किया है कि उनके पास एलपीजी गैस का पर्याप्त भंडारण है।यह भंडारण उपभोक्ताओं के कनेक्शनों के सापेक्ष एलपीजी आपूर्ति के लिए पर्याप्त है।वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, सभी एलपीजी उपभोक्ता एक रिफिल प्राप्त करने के 25 दिनों के बाद ही अगली रिफिल बुक कर सकते हैं।उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे संबंधित अधिकृत एलपीजी वितरक से मोबाइल या 'स्मार्ट बुकिंग मोड' ऐप के माध्यम से गैस रिफिल बुक करें। गैस सिलेंडर केवल एलपीजी वितरक या कंपनी के अधिकृत वेंडरों-हॉकर्स से ही प्राप्त करें अनाधिकृत स्त्रोतों या दलालों के माध्यम से एलपीजी सिलेंडरों की खरीद-फरोख्त न करें। यदि अनाधिकृत स्तर पर एलपीजी सिलेंडरों की खरीद-फरोख्त या भंडारण पाया जाता है, तो इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

होली पर छेड़छाड़ और झगड़े का मामला

आरोपियों ने पुलिस पर लगाए मारपीट और अभद्रता आरोप

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद के, अंकुर विहार थाना क्षेत्र में होली के दिन छेड़छाड़ और झगड़े के मामले में गिरफ्तार किए गए दो युवकों ने अब पुलिस पर मारपीट और अभद्रता करने के आरोप लगाए हैं। इस मामले को लेकर दोनों युवक सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। 4 तारीख की दोपहर अंकुर विहार इलाके में कुछ महिलाओं ने छेड़छाड़ और झगड़े की शिकायत पुलिस से की थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हिंदू रक्षा दल से जुड़े दक्ष चौधरी और अक्कू पंडित नाम के दो युवकों को हिरासत में ले लिया। बाद में दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया था। जेल से बाहर आने के बाद दक्ष चौधरी और अक्कू पंडित ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस ने उनके साथ मारपीट की और अभद्र व्यवहार किया। दोनों ने इस मामले को लेकर अंकुर विहार एसीपी और डीसीपी देहात को शिकायत भी दी है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि होली के दिन एक महिला ने छेड़छाड़ और मारपीट की शिकायत दी थी। उसी शिकायत के आधार पर दोनों युवकों को गिरफ्तार किया गया था। अंकुर विहार के एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि युवकों द्वारा पुलिस पर लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों की बात सुनी जा रही है।

दिखी हिंदू-मुस्लिम एकता की अनोखी मिसाल

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बुजुर्ग की अर्थी को दिया कंधा, शमशान तक लेकर गए

अमन लेखनी समाचार

मेरठ शहर के नौगजा-खंदक बाजार इलाके में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की अनोखी मिसाल देखने को मिली। यहां करीब 80 वर्षीय बुजुर्ग सूरज प्रकाश पंजाबी के निधन के बाद उनकी अर्थी को हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर कंधा दिया और अंतिम संस्कार में सहयोग किया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सूरज प्रकाश पंजाबी लंबे समय से नौगजा-खंदक बाजार में कमल भड़ाना पुत्र प्रेम सिंह भड़ाना के परिवार के साथ रहते थे। वह अविवाहित थे और वर्ष 1968 से इसी परिवार के साथ रह रहे थे। उनका निधन हो गया। सूचना मिलने पर उनकी भतीजी भी मौके पर पहुंच गई। मोहल्ले के लोगों के अनुसार सूरज प्रकाश पंजाबी सभी के साथ बेहद मिलनसार स्वभाव से रहते थे। वह हिंदू परिवार के साथ रहते थे, लेकिन इलाके के मुस्लिम समुदाय के लोगों से भी उनका गहरा लगाव था। यही वजह रही कि उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई। जब उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई तो हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर उनकी अर्थी को कंधा दिया। इसके बाद सभी लोग साथ मिलकर सूरजकुंड श्मशान घाट पहुंचे, जहां पूरे विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार कराया गया। स्पोर्ट्स कारोबारी विपिन मनोठिया ने इस घटना की सराहना करते हुए कहा कि यह गंगा-जमुनी तहजीब की एक बड़ी मिसाल है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं बताती हैं कि इंसानियत और भाईचारा किसी भी धर्म से ऊपर होता है और यही हमारी समाज की असली ताकत है।

जेवर में सूने घर से लाखों की चोरी

बारात गए परिवार के घर से ढाई लाख कैश, जेवर गायब

अमन लेखनी समाचार

जेवर , ग्रेटर नोएडा के जेवर कस्बे में एक सूने घर से लाखों रुपये के आभूषण और नकदी चोरी हो गई। चोरों ने घर का ताला तोड़कर इस वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित परिवार एक बारात में शामिल होने गया था। यह घटना छोटी देवी मंदिर मोहल्ले में सोमवार रात को हुई। परिवार के सदस्य सोमवार रात को एक रिश्तेदारी में बारात में शामिल होने के लिए घर से बाहर गए थे। मंगलवार सुबह जब वे लौटे, तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर कमरे और अलमारियां अस्त-व्यस्त थीं। परिवार के अनुसार, घर में शादी का माहौल होने के कारण लगभग ढाई लाख रुपये नकद और लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात घर पर रखे हुए थे। चोरों ने अलमारी से यह नकदी और आभूषण चुरा लिए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार ने तत्काल पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

यमुना प्राधिकरण में किसानों की बैठक

प्लॉट आवंटन, मुआवजे पर अधिकारियों का आश्वासन

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,यमुना प्राधिकरण कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा हतेवा के नेतृत्व में हुई इस बैठक में जगनपुर-दनकौर इंटरचेंज परियोजना से प्रभावित सैकड़ों किसान शामिल हुए। किसानों ने अधिकारियों के सामने प्लॉट आवंटन, मुआवजा और अन्य लंबित समस्याओं को रखा।बैठक में यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह, सीनियर मैनेजर राजेंद्र भाटी, तहसीलदार सदर अजय सिंह, वीपी सिंह और बिजली विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह ने किसानों को बताया कि इंटरचेंज परियोजना से प्रभावित कुल 135 किसानों में से 75 को आवासीय प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं।उन्होंने यह भी बताया कि शेष 65 किसानों को एक सप्ताह के भीतर प्लॉट आवंटित कर दिए जाएंगे। जिन किसानों की औपचारिकताएं लंबित हैं, उन्हें संबंधित अधिकारियों द्वारा सूचित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, 64.7 प्रतिशत मुआवजे की शेष राशि 15 दिनों के भीतर किसानों के खातों में भेज दी जाएगी। सीनियर मैनेजर राजेंद्र भाटी ने जानकारी दी कि प्रस्तावित आवासीय भूखंडों के विकास का कार्य मंगलवार से शुरू हो गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन गांवों में प्राधिकरण द्वारा विकास कार्य चल रहे हैं, उन्हें भी जल्द पूरा कराया जाएगा। इस दौरान, संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश शर्मा ने अधिकारियों से किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान करने का आग्रह किया।

नोएडा पुलिस ने फर्जी रिक्रूटमेंट सेंटर का किया पर्दाफाश

4 महिलाओं समेत 6 गिरफ्तार, 30-40 हजार रुपये की ठगी करते थे

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, नोएडा पुलिस ने विदेशों में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना 113 पुलिस ने सेक्टर-73 स्थित 'एंथूरियम बिजनेस पार्क' में छापेमारी कर दो पुरुषों और चार महिलाओं सहित कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सोशल मीडिया पर आकर्षक विज्ञापन देकर बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाता था।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सरीम खान, शोएब खान, रितिका, मन्तसा अब्बासी, फातिमा और खुशी उर्फ खुशबू के रूप में हुई है। एडिशनल डीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान सरीम खान और शोएब खान को हिरासत में लिया, जिनसे पूछताछ में नाम की फर्जी कंपनी चलाने का खुलासा हुआ। यह गिरोह फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ञ्हए अफए ल्कफकठऋ्र के नाम से पेड विज्ञापन चलाता था। वे विदेश में, खासकर क्रूज शिप पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवाओं को फंसाते थे। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि गैंग सोशल मीडिया विज्ञापनों के जरिए लोगों का डेटा इकट्ठा करता था।

मिशन शक्ति के अंतर्गत सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण पर दिया गया विशेष बल।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण सुनिश्चित करने हेतु मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति 5.0) के नेतृत्व में समस्त थाना क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद स्थापित कर महिलाओं/बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। अभियान के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों, हेल्पलाइन सेवाओं एवं साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु जनपद के विभिन्न बाजारों में एसिड/तेजाब विक्रय करने वाली दुकानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। दुकानदारों को विधिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए बिना वैध पहचान पत्र/अभिलेख के एसिड विक्रय न करने के निर्देश दिए गए। स्टॉक रजिस्टर एवं सीसीटीवी व्यवस्था की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा उल्लंघन की स्थिति में कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

किसान के खेत में लगी आग, 100 पाइप और एक बीघा सरसों की फसल जली

अमन लेखनी समाचार

गरौठा तहसील क्षेत्र के ग्राम परसुआ में गुरुवार दोपहर अज्ञात कारणों से एक किसान के खेत में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से खेत में सिंचाई के लिए रखे लगभग 100 प्लास्टिक पाइप जलकर नष्ट हो गए। वहीं पास के खेत में खड़ी करीब एक बीघा सरसों (राई) की फसल भी जलकर राख हो गई। ग्राम परसुआ निवासी किसान अनुरुद्ध द्विवेदी ने बताया कि गुरुवार दोपहर उनके खेत की ओर से अचानक तेज धुआं उठता दिखाई दिया। यह देखकर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर पहुंचे और तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। किसानों ने पास के तालाब से पानी लाकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक अनुरुद्ध द्विवेदी के खेत में रखे लगभग 100 प्लास्टिक पाइप पूरी तरह जल चुके थे। वहीं पास में किसान हरीराम के खेत में रखी करीब एक बीघा राई की फसल भी आग की भेंट चढ़ गई। घटना के बाद पीड़ित किसानों ने तहसील प्रशासन को सूचना देकर हुए नुकसान का सर्वे कराते हुए फसल और पाइपों के नुकसान का उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

एससी/एसटी एक्ट: तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा

60-60 हजार रुपए अर्थदंड, न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।

अर्थदंड की धनराशि में से 90 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी।

साढ़े 11 साल पूर्व पति के घायल होने की झूठी सूचना देकर दलित महिला को साथ ले जाकर विद्यालय में किए गए सामुहिक दुष्कर्म का मामला।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। साढ़े 11 साल पूर्व पति के घायल होने की झूठी सूचना देकर दलित महिला को साथ ले जाकर विद्यालय में सामुहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तीन दोषियों को एससी/एसटी एक्ट में दोषसिद्ध पाकर उम्रकैद की सजा सुनाई। उनके ऊपर 60-60 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 90 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित महिला (पीड़िता) ने एसीजेएम कोर्ट में धारा 156(3) सीआरपीसी के तहत दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। विपक्षीगण नंदलाल, कांग्रेस व एक अन्य व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना कराए जाने की मांग की थी। अवगत कराया था कि उसके पति शाहगंज थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी नंदलाल व कांग्रेस के साथ एक माह पूर्व काम के सिलसिले में गए थे। घटना 22 जुलाई 2014 की है। उसके घर पर नंदलाल, कांग्रेस व एक अन्य व्यक्ति मैजिक गाड़ी से आए और कहा कि उसके पति दुर्घटना में घायल हो गए हैं उन्हें करमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ पैसे का प्रबंध करके साथ चलने को कहा तो उनकी बातों पर विश्वास करके घर में रखा 8 हजार रुपये लेकर चल दी। वे लोग उसे लेकर एक विद्यालय में चले गए। जब उसने कहा कि यहां क्यों लाए हो तो जाति सूचक शब्दों से गाली देने लगे और अकेला पाकर जबरन बारी बारी से तीनों ने उसके साथ सामुहिक दुष्कर्म किया। कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर वहीं अकेले छोड़कर चले गए। इसकी सूचना तत्काल करमा थाने में दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश पर तीनों के विरूद्ध 5 सितंबर 2014 को दुष्कर्म, लूट, एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया। सीओ द्वारा मामले की विवेचना की गई और पर्याप्त सबूत मिलने पर नंदलाल, कांग्रेस व विनय सिंह के विरुद्ध कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 6 गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर तीन दोषियों नंदलाल, कांग्रेस तथा विनय सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई। इनके ऊपर 60- 60 हजार रुपए अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर तीनों को 6- 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, हादसे की आशंका

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। कासिमपुर थाना क्षेत्र के बेहंदर-मांडर मार्ग पर बड़ागांव गांव के पास गुरुवार सुबह सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि युवक की मौत किसी सड़क हादसे में हुई है। मृतक की पहचान बड़ागांव निवासी 36 वर्षीय दीपू के रूप में हुई है, जो पेशे से नाई थे और गांव के चौराहे पर उनकी दुकान थी। परिजनों के अनुसार दीपू बुधवार सुबह घर से दुकान जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने गांव से करीब 200 मीटर दूर बेहंदर-मांडर मार्ग पर सड़क किनारे दीपू का शव पड़ा देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत परिजनों को सूचना दी और पुलिस को भी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर कासिमपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। मृतक के परिवार में पत्नी बबली, एक पुत्र कृष्णा और एक पुत्री हैं। अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। इस संबंध में कासिमपुर प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी में 13 मार्च को पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी आशुतोष चौधरी ने अवगत कराया है कि पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह 39 जीटीसी वाराणसी द्वारा दिनांक 13 एवं 14 मार्च 2026 को 39 गोरखा ट्रेनिंग सेन्टर, स्टेशन हेडक्वार्टर वाराणसी में आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा दिवंगत सैनिकों की विधवाओं को आमंत्रित किया गया है। समारोह के दौरान पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों की सहायता के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें स्पर्श आउटरीच स्टॉल, पेंशन ग्रीवांस स्टॉल, ईसीएचएस योजना, मेडिकल कैम्प, रिकार्ड ऑफिस कैम्प तथा जॉब फेयर शामिल हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को आवश्यक जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा उनकी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर वीर नारियों, वरिष्ठ पूर्व सैनिकों एवं दिवंगत सैनिकों की विधवाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। जनपद के पूर्व सैनिकों को इस रैली में सम्मिलित होने हेतु 39 जीटीसी वाराणसी द्वारा बस की व्यवस्था की गई है। यह बस दिनांक 13 मार्च 2026 को प्रातः 7:00 बजे बढ़ौली चौराहा, राबर्ट्सगंज से प्रस्थान करेगी तथा सायं 5:00 बजे सभी पूर्व सैनिकों को पुनः बढ़ौली चौराहा, राबर्ट्सगंज वापस छोड़ देगी।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष 13 मार्च को सर्किट हाउस सभागार में महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की करेंगी जन सुनवाई

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी प्रोटोकाल ने अवगत कराया है कि राज्य महिला आयोग अध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर प्राप्त) श्रीमती डॉ0 बबिता सिंह चैहान जी का जनपद में सर्किट हाउस चुर्क में 12 मार्च को रात्रि में आगमन होगा, अध्यक्ष 13 मार्च 2026 को जिला महिला चिकित्सालय में कन्या जन्मवोत्सव कार्यक्रम में प्रातः 09:30 बजे प्रतिभाग करेगी, इसके पश्चात सर्किट हाउस में जनपद में महिलाओं की उत्पीड़न से सम्बन्धित प्रकरणों की जन सुनवाई करेंगीं

आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

शोभायात्रा का हुआ जगह-जगह स्वागत

अमन लेखनी समाचार

गुरसराय। नगर में 1008 आदिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महा महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा का नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पूजन-आरती कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल 1008 आदिनाथ जिनालय मंदिर में भगवान के पूजन, अभिषेक एवं आदिनाथ विधान के साथ हुआ। इस दौरान आयोजक प्रकाश चंद्र जैन, प्रिंस जैन, मिलाप जैन, बॉबी जैन, विनोद जैन, वंदना जैन, आशारानी, रेखा रानी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन किया। दोपहर लगभग एक बजे श्रीजी की भव्य शोभायात्रा 1008 आदिनाथ जिनालय मंदिर से सैकड़ों भक्तों के साथ प्रारंभ हुई। शोभायात्रा गुराई बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर होते हुए मुख्य बाजार पहुंची, जहां दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष जगदीश जैन, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष निहेल सिधई, नगर पालिका अध्यक्ष जयपाल सिंह चौहान ह्यराजूह्ल, सनद कुमार जैन, पूर्व चेयरमैन देवेश पालीवाल, सुनील जैन डीकू, दीपक जैन तथा समीर जैन सहित कई गणमान्य नागरिकों ने आरती कर यात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा में प्रसिद्ध नारायण यादव, रमेश मौर्य, डी.के. जैन, रवि जैन, आत्माराम फौजी, युवा मोर्चा के राहुल जैन, प्रभात जैन सिंघई, कमल कुमार, बॉबी जैन, अरविंद कुमार सिंघई, अंशु जैन, राजू सिंघई, मिलाप चंद्र, कुलदीप सिंघई, निर्तुल व्यास, काजू निखरा, राघवेंद्र संगोली, राजू सोनी, अतुल व्यास, पप्पी पटवा, विनोद कुमार जैन, रिंकू जैन, शीलू नुनार, सचिन सिंघई, संजय लुहारी, पलस जैन (ग्वालियर) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। इसके अलावा के.सी. जैन स्कूल एवं महावीर जैन स्कूल के समस्त स्टाफ ने भी शोभायात्रा में भाग लिया। प्रज्ञा जैन, शिप्रा जैन, अंकिता जैन, पप्पू जैन, भैया जैन, संजय जैन सहित अनेक लोग मौजूद रहे। भगवान की शोभायात्रा को लेकर नगर में विशेष उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह महिला एवं पुरुष श्रद्धालु आरती और स्वागत पूजन के लिए खड़े रहे। इसके बाद शोभायात्रा पुराने बस स्टैंड होते हुए के.सी. जैन मेमोरियल पब्लिक स्कूल पहुंची, जहां भगवान का अभिषेक एवं पूजन किया गया। इस अवसर पर राजा जी चौहान, रामनारायण पस्तोर, प्रदीप कोठारी, गोविंद सिंह सिसोदिया, उत्तम जैन, उदय सिंघई, प्रथम जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रकाश चंद्र जैन एवं विनोद कुमार जैन नुनार ने व्यक्त किया।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी फरियादियों की शिकायतें, समयबद्ध एवं निष्पक्ष कार्रवाई के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। आज दिनांक 11.03.2026 को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक महोदय ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट एवं कठोर निर्देश प्रदान किए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पिहोवा में अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर, 5 एकड़ में बने निर्माण ध्वस्त

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र/पिहोवा। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) विभाग की टीम ने जिला प्रशासन और पुलिस बल की मौजूदगी में पिहोवा के कुरुक्षेत्र-पिहोवा रोड पर पनप रही अवैध कॉलोनी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 5 एकड़ भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में की गई, जिसमें कॉलोनी में बनाई गई कच्ची सड़कें, डीपीसी, सीवरेज लाइन, मेनहॉल और गेट सहित अन्य अवैध ढांचों को जेसीबी मशीनों की मदद से तोड़ दिया गया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि राजस्व संपदा पिहोवा क्षेत्र में कुरुक्षेत्र-पिहोवा रोड पर करीब 5 एकड़ भूमि में बिना अनुमति अवैध कॉलोनी विकसित किए जाने की शिकायत सामने आई थी। इसके बाद जिला नगर योजनाकार विभाग की ओर से भूस्वामियों और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी कर आवश्यक अनुमति लेने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि नोटिस के बावजूद संबंधित भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों ने न तो अवैध निर्माण कार्य रोका और न ही विभाग से कॉलोनी विकसित करने की अनुमति प्राप्त की। इसके बाद डीटीपी विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए जिला प्रशासन और पुलिस की सहायता से मौके पर पहुंचकर अवैध कॉलोनी में किए गए निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। डीटीपी नवीन कुमार की रिपोर्ट के आधार पर की गई इस कार्रवाई में कॉलोनी के भीतर बनाई गई कच्ची सड़कों, डीपीसी, सीवरेज लाइन, मेनहॉल और मुख्य गेट को पीले पंजे से हटाकर जमीन को खाली कराया गया। उपायुक्त ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि सस्ते प्लॉट के लालच में प्रॉपर्टी डीलरों के झांसे में आकर जमीन न खरीदें। किसी भी कॉलोनी में प्लॉट खरीदने से पहले डीटीपी कार्यालय से उसकी वैधता की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को भी निर्देश दिए कि रजिस्ट्री करने से पहले सरकार द्वारा जारी नियमों और हिदायतों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी में प्लॉट खरीदता है या वहां निर्माण करता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में 50 हजार रुपये तक जुमार्ना और 3 साल तक की सजा का प्रावधान है। उपायुक्त ने बताया कि सरकार की दीनदयाल हाउसिंग स्कीम और अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत 5 एकड़ भूमि पर कॉलोनी विकसित करने के लिए लाइसेंस प्राप्त किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित विभाग में आवेदन कर कानूनी अनुमति लेना अनिवार्य।

चिल्काडांड में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ, नशा मुक्ति व जनजागरूकता पर रहेगा फोकस

अमन लेखनी समाचार

शक्तिनगर सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई प्रथम एवं तृतीय के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर (दिन-रात) का शुभारंभ बुधवार को चिल्काडांड ग्राम स्थित पंचायत भवन में किया गया। शिविर के पहले दिन स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों के बीच जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान चिल्काडांड हीरालाल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय बाहुल्य इस क्षेत्र में शिक्षा का अभाव और नशाखोरी एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। इन समस्याओं के समाधान के लिए जनजागरूकता बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक इस सात दिवसीय शिविर के दौरान ग्रामीणों के बीच संवाद स्थापित कर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एनसीएल खड़िया के सीएसआर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि समाज को नशाखोरी जैसी बुराइयों से बचाना आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। ऐसे में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान सराहनीय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एनसीएल खड़िया इस जनहितकारी प्रयास में हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है। संस्था के प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के कई लोग जानकारी के अभाव में सरकारी योजनाओं और मूलभूत सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की जिम्मेदारी है कि वे ग्रामीणों तक सही जानकारी पहुंचाकर उन्हें जागरूक बनाएं। इससे पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पाण्डेय ने सात दिवसीय विशेष शिविर की कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए स्वयंसेवकों को विश्वविद्यालय की गाइडलाइन से अवगत कराया और बताया कि शिविर के दौरान स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, नशा मुक्ति और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. छोटेलाल प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया। शिविर के दूसरे सत्र में स्वयंसेवकों ने स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित किया, जिसमें विशेष रूप से एसआईआर से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की गई। इसके साथ ही स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसएस गीत, गजल, भजन और लोकगीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। गौरतलब है कि इस सात दिवसीय शिविर में एनएसएस की इकाई प्रथम और तृतीय के 50-50 कुल 100 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

टेस्ट ड्राइव के दौरान नियंत्रण छूटा, कार 20 फुट गहरे गड्ढे में गिरी

अमन लेखनी समाचार

ठाणे: ठाणे के पाचपाखाडी इलाके में बीती रात टेस्ट ड्राइव के लिए निकाली गई नई कार चालक का नियंत्रण खोने से करीब 20 फुट गहरे गड्ढे में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार तीन लोग घायल हो गए, जबकि दो दोपहिया और एक रिक्शा भी क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया तथा मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, पाचपाखाडी स्थित उत्सव होटल के पास एक कार शोरूम से मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे टेस्ट ड्राइव के लिए कार निकाली गई थी। कार में शोरूम कर्मचारी चेतन देशमुख वाहन चला रहे थे, जबकि कल्याण निवासी मिथिलेश पासवान (48) और कुमारी प्रिया (36) भी साथ में मौजूद थे। बताया जाता है कि टेस्ट ड्राइव के दौरान चालक का कार से नियंत्रण अचानक छूट गया। कार पहले दो दोपहिया वाहनों और एक रिक्शा से टकराई और इसके बाद पास ही एक इमारत के निर्माण के लिए खोदे गए करीब 20 फुट गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद की। कार में लगे एयरबैग खुलने से मिथिलेश पासवान और चेतन देशमुख को मामूली चोटें आईं, जबकि कुमारी प्रिया के सिर और कमर में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में दो मोटरसाइकिल और एक रिक्शा को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात कारणों के चलते 40 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर दी जान

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला द्वारकापुरी में अज्ञात कारणों के चलते एक 40 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और परिवार में मातम छा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला द्वारकापुरी निवासी बृजेंद्र पुत्र रामसेवक फौजी ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में पंखे के कुंडे से फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली से उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार पुलिस कांस्टेबल हरीश गौतम एवं विपिन कुमार के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर किन परिस्थितियों में युवक ने यह कदम उठाया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मऊरानीपुर भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक के एक पुत्र है। इस दुखद घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे मोहल्ले में शोक का माहौल बना हुआ है।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चो, कुछ जीव-जंतु अपने रहने के लिए ऐसे आवास बनाते हैं, जिन्हें देखकर तुम दंग रह जाओगे! तुम यही सोचोगे कि इन्होंने इतनी अमेजिंग होम मेकिंग इंजीनियरिंग आखिर सीखी कहां से? जानो, ऐसे ही कुछ जंतुओं के अनोखे घरों के बारे में।

इंजीनियरिंग का कमाल हैं इन जंतुओं के अनोखे घर

ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी में पाए जाने वाले बोवर बर्ड का अपना घर बनाने का तरीका बड़ा ही अनोखा होता है। बोवर बर्ड अपना बोवर यानी घर बनाने के साथ-साथ उसमें इंटीरियर डिजाइन भी करता है। उसे सजाता है, संवारता है। दिलचस्प बात यह है कि यह बोवर इनका असली घोंसला या आवास नहीं होता है। मादा पक्षी अंडे देने के लिए अलग घोंसला बनाती है। नर बोवर बर्ड, यह सुंदर महलनुमा घर केवल मादा को प्रभावित करने के लिए बनाता है। नर पक्षी टहनियों को जमीन में गाड़कर दो समानांतर दीवारें बनाता है, जो एक गलियारे जैसी दिखती हैं। बोवरबर्ड की कुछ प्रजातियां तो टहनियों से ऊंचे 'मेहराब' भी बनाती हैं। बोवर बर्ड अपनी सजावट के लिए बहुत चूजी होते हैं। साटन बोवर बर्ड को नीला रंग इतना पसंद है कि वह अपने घर के सामने नीले फूल, नीले पंख और यहां तक कि इंसानों द्वारा फेंकी गई नीली प्लास्टिक की बोतल के ढक्कन और पेन जैसी चीजें भी इकट्ठा करते हैं। कुछ बोवर बर्ड अपनी चोंच से फलों के रस या लकड़ी के कोयले को चबाकर 'पेंट' तैयार करते हैं और अपने घर की दीवारों को रंगते हैं। ये पक्षी अपने आंगन में पत्थरों और वस्तुओं को इस तरह क्रम में सजाते हैं (बड़ी चीजें पीछे, छोटी आगे) कि जब मादा बीच में खड़ी होती है, तो उसे नर पक्षी और उसका घर ज्यादा बड़ा और भव्य दिखाई देता है। इस तकनीक को 'फोर्स्ड पर्सपेक्टिव' कहा जाता है। *

बोवर बर्ड इंटीरियर डिजाइनिंग की मिसाल

रूफस हॉर्नेरो मिट्टी के ओवन जैसा घोंसला

दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला पक्षी रूफस हॉर्नेरो, अपने मिट्टी से बने घर के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। बच्चो, इस पक्षी की कलाकारी देखकर तुम दंग रह जाओगे। रूफस कीचड़, गोबर और सूखी घास को मिलाकर एक गोल घर बनाता है। इसका आकार पुराने जमाने के मिट्टी के ओवन जैसा दिखता है, इसलिए इसे 'हॉर्नेरो' कहा जाता है। स्पेनिश में 'हॉर्नो' का मतलब ओवन होता है। जब यह मिट्टी का घोंसला धूप में सूखकर सख्त हो जाता है, तो यह कंक्रीट जैसा मजबूत हो जाता है। भारी बारिश और तेज हवाएं भी इसे नहीं तोड़ पातीं। यह घोंसला शिकारियों से सुरक्षा के लिए एक किले की तरह काम करता है। इसका द्वार भूल-भुलैया जैसा होता है। इसके घोंसले का दरवाजा सीधा अंदर नहीं खुलता। इसके अंदर एक घुमावदार दीवार होती है, जो अंग्रेजी अक्षर 'पी' आकार का रास्ता बनाती है। यह दीवार ठंडी हवा को सीधे अंदर जाने से रोकती है। साथ ही सांपों जैसे शिकारियों के लिए बच्चों तक पहुंचने से सुरक्षित रखती है। रूफस हॉर्नेरो, अकसर बिजली के खंभों, ऊंचे पेड़ों या इमारतों के कोनों पर अपना घर बनाते हैं। *

डाइविंग बेल स्पाइडर पानी के तल पर हवेली

यह दुनिया की एकमात्र ऐसी मकड़ी है, जो अपना पूरा जीवन पानी के नीचे बिताती है। यूरोप और एशिया के देशों में नदी-तालाबों के तल पर रहने वाली इस मकड़ी के द्वारा बनाई गई 'पानी के नीचे की हवेली' की तकनीक किसी चमत्कार से कम नहीं लगती है। यह मकड़ी पानी के नीचे पौधों के बीच रेशम का एक जाल बुनती है। फिर वह सतह पर जाकर अपने शरीर के पिछले हिस्से और पैरों पर लगे घने बालों की मदद से हवा का एक बुलबुला फंसाकर नीचे लाती है। इस हवा को वह अपने जाल के नीचे छोड़ देती है, जिससे वह एक बेल (घंटी) की तरह फूल जाता है। यह बुलबुला एक 'फिजिकल गिल' की तरह काम करता है। यह पानी से ऑक्सीजन सोखता है और कार्बन डाई-ऑक्साइड को बाहर निकालता है। इस वजह से मकड़ी को बार-बार हवा लेने के लिए सतह पर नहीं जाना पड़ता। इसी हवा भरे बुलबुले के अंदर यह मकड़ी सोती है, खाना खाती है और अंडे देती है। उसका यह घर तैरकर ऊपर न चला जाए, इसके लिए वह इसे रेशमी धागों से जलीय पौधों से मजबूती से बांध देती है। शिकार करने के लिए यह मकड़ी बस अपने पैरों को बुलबुले से बाहर निकालती है और पास से गुजरने वाले कीड़ों को पकड़ लेती है। *

कोरल पॉलिप्स विशाल-मजबूत कॉलोनियां

कोरल पॉलिप्स, समुद्र के वे अदृश्य कलाकार होते हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी और सुंदर जीवित प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ) बनाते हैं। यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि चावल के दाने जितने छोटे जीव अंतरिक्ष से दिखने वाले ऊंचे 'पहाड़' खड़े कर देते हैं। प्रत्येक कोरल पॉलिप अपने चारों ओर कैल्शियम कार्बोनेट (चूना पत्थर) का एक कठोर कवच बनाता है। जब ये पॉलिप मर जाते हैं, तो उनके कठोर कंकाल वहीं रह जाते हैं, और नए पॉलिप उनके ऊपर अपना घर बनाना शुरू कर देते हैं। हजारों सालों की इस प्रक्रिया से विशाल कोरल रीफ का निर्माण होता है। *

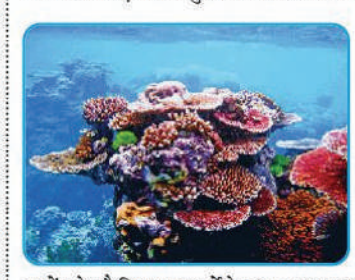

प्रेयरी डॉग्स जमीन के भीतर अंडरग्राउंड सिटी

बच्चो, नाम से कंफ्यूज मत होना! प्रेयरी डॉग्स असल में डॉगी नहीं, बल्कि गिलहरी परिवार के सदस्य हैं, जो जमीन के नीचे अद्भुत अंडरग्राउंड शहर बसाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी इंजीनियरिंग इतनी सटीक होती है कि इंसानी शहरों का ड्रेनेज सिस्टम भी इसके सामने फेल हो जाए। इनके बनाए विशाल 'टाउन' केवल एक बिल नहीं, बल्कि हजारों मील में फैले भूमिगत शहर जैसे होते हैं। टेक्सास (अमेरिका) में एक बार 25,000 वर्ग मील में फैला इनका एक टाउन पाया गया था, जिसमें लगभग 40 करोड़ प्रेयरी डॉग्स रहते थे। ये शहर पीढ़ियों तक चलते हैं। इनके घर में अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग कमरे होते हैं, जैसे- बच्चों के लिए 'नर्सरी', सोने के लिए 'बेडरूम', खाना रखने के लिए 'स्टोर रूम' और यहां तक कि कचरे के लिए अलग जगह होती है। प्रवेश द्वार के पास एक 'लिस्निंग पोस्ट' भी होता है, जहां से वे शिकारियों पर नजर रखते हैं। प्रेयरी डॉग्स अपने बिल के मुहानों को अलग-अलग ऊंचाई पर बनाते हैं। इससे दबाव में अंतर पैदा होता है, जिससे ताजी हवा अपने आप सुरंगों के अंदर घूमती रहती है। यह एक बेहतरीन वेंटिलेशन इंजीनियरिंग का उदाहरण है। ये बिल के प्रवेश द्वार पर मिट्टी के ऊंचे टीले बनाते हैं। ये टीले न केवल इन्हें ऊंचाई से शिकारियों को देखने में मदद करते हैं, बल्कि बारिश के पानी को सुरंग के अंदर जाने से भी रोकते हैं। *

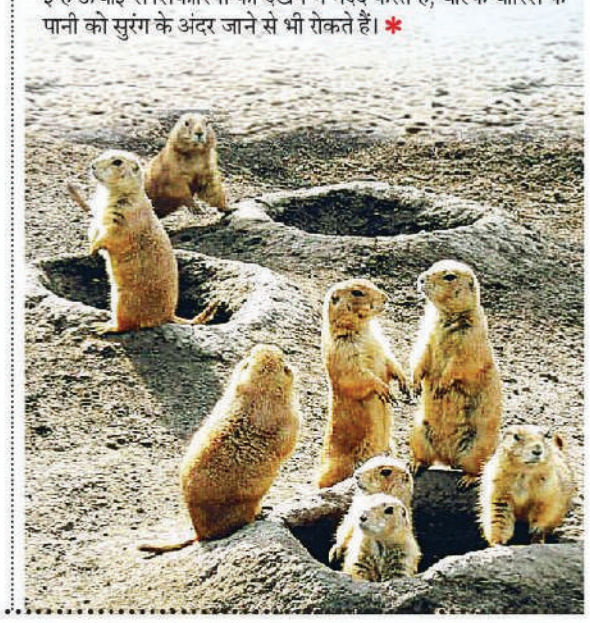

कविता / शादाब आलम

क्या कहने चावल के

क्या कहने चावल के भाई
कम है, जितनी करो बड़ाई।
इसे दूध के साथ मिलाकर
मजा बहुत आता है खाकर।
अगर राजमा चावल पाऊं
तीन प्लेट भरकर मैं खाऊं।
बने पुलाव जब घर में अपने
कोना-कोना लगे महकने।
कढ़ी और चावल की जोड़ी
नहीं किसी ने अब तक तोड़ी।
घुग-घुग कर बेचे भोले
बड़े गजब के चावल छोले।
जब नानी के घर जाता हूं
रोज दही चावल खाता हूं।
आज बनी है घर में तहरी
सुनकर खुश हो गई सुनहरी।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मजेदार कहानियां

बच्चो, हाल में छपकर आई 'होलू का दिमाग चलता है' सात मजेदार कहानियों की किताब है। पहली कहानी 'होलू का दिमाग चलता है' में तुम जिज्ञासु-नटखट होलू के एक से बढ़कर एक काल्पनिक और गुदगुदाते प्रश्नों को पढ़कर हंसे बिना नहीं रहोगे। 'हवा ने चांटा मारा' अर्श से हवा की काल्पनिक बातचीत पर आधारित कहानी है। बोलने में अटकने वाली मुन्नी क्यों उदास हो जाती है, कैसे फिर से खिलखिलाने लगती है? इसे तुम 'भाड़ में जाए' कहानी में पढ़ सकते हो। 'मैं लौट आया' सपने में पक्षी बनकर उड़ते हुए पड़ोसी देश की यात्रा करने वाले बच्चे की प्यारी सी कहानी है। यह कहानी अलग-अलग देशों के बीच होने वाली शत्रुता पर भोले-भाले सवाल पूछती है। किताब की अन्य कहानियां भी बहुत रोचक और सीख देने वाली हैं। *

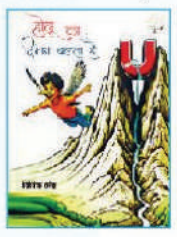

किताबः होलू का दिमाग चलता है, **लेखकः** दिविक रमेश
मूल्यः 175 रुपए, **प्रकाशकः** अनबाउंड स्क्रिप्ट, दिल्ली

जीके क्विज-196

1. दिल्ली का नया लेफ्टिनेंट गवर्नर किसे नियुक्त किया गया है?
2. हाल ही में किस देश की क्रिकेट टीम को हराकर भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता?
3. चेस के 93 वें ग्रैंड मास्टर बनने वाले इंडियन चेस प्लेयर का नाम क्या है?
4. विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
5. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
6. हमारे पड़ोसी देश भूटान की राजधानी का क्या नाम है?
7. सती प्रथा समाप्त करने में किस समाज सुधारक का महत्वपूर्ण योगदान था?
8. भारतीय संसद के उच्च सदन को किस नाम से जाना जाता है?
9. फ्लाइंग सिख के नाम से किस इंडियन एथलीट को जाना जाता है?
10. टाइटन किस ग्रह का उपग्रह है?

बच्चो, जीके क्विज-196 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-195 का उत्तर : 1.केरलम, 2.सचिन तेंदुलकर, 3.रॉबर्ट जेटन, 4. 20 मार्च, 5.नारंगी, 6.कार्बन डाई ऑक्साइड, 7.किडनी, 8.हीलियम, 9.आर्कटिक महासागर, 10.समुद्रगुप्त

जीके क्विज-195 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, कुणाल-रोहतक, आस्था-दिल्ली, अजय-सिरसा, प्रवीण-ईमेल से, रमेश-रायगढ़, तेजस-रायपुर, सुमन-महेंद्रगढ़, मुकेश-जींद, चंचल-दिल्ली, किशन-बिलासपुर, सचिन-रोहतक

अपनी सहेली रूठ जाए तो दिल में टीस होगी ही। अंकिता अपनी सहेली अबीहा से रूठ गई। लेकिन कुछ देर बाद अबीहा ने जो किया, अंकिता की सारी नाराजगी पल भर में दूर हो गई। एक प्यारी-मीठी कहानी।

रूठ गई सहेली

छोटी कहानी
सिराज अहमद

आज अंकिता अपनी सबसे प्यारी दोस्त अबीहा से रूठ गई थी। वजह बहुत छोटी थी, पर उसका असर बड़ा हो गया। सुबह स्कूल में अंकिता थोड़ी देर से पहुंची, तब तक अबीहा ने सोचा कि शायद वह आज नहीं आएगी, छुट्टी पर है। इसलिए उसने अपनी दूसरी क्लासमेट को अपने बगल में बैठा लिया।

थोड़ी देर बाद अंकिता आ गई। उसने अबीहा के बगल में दूसरी लड़की को बैठे देखा तो उसका चेहरा उतर गया। अंकिता को लगा कि अबीहा ने उसकी जगह किसी और को दे दी। उसने कुछ कहा नहीं, लेकिन मन ही मन अबीहा से नाराज हो गई। लंच टाइम हुआ तो दोनों, जो हमेशा साथ बैठकर खाना खाती थीं, आज अलग-अलग बैठी थीं। अबीहा को यह बहुत बुरा लग रहा था। उसे अपनी दोस्त की चुप्पी काटने लगी। तभी उसे कुछ याद आया। अबीहा ने टिफिन खोला, अंदर मीठे परांठे थे, वही जो अंकिता को बहुत पसंद थे। जैसे ही परांठों की खुशबू फैली, अंकिता की नाक फड़क उठी। वह खुद को रोक न सकी। झटपट उठी, अबीहा की टिफिन की ओर बढ़ी और हंसते हुए बोली, 'यह मेरे हिस्से का परांठा है!'

अबीहा ने हंसकर कहा, 'ये लो, पहले तुम खा लो।' अंकिता ने एक टुकड़ा खाया और हंसते हुए क्लास में दौड़ पड़ी। उसके पीछे-पीछे अबीहा भी दौड़ने लगी। क्लास की बाकी बच्चियां हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं।

कुछ देर बाद दोनों थककर साथ बैठ गईं। टिफिन के परांठे बांटकर खाने लगीं। गुस्सा कहीं उड़ गया था। मीठे परांठों की खुशबू ने एक बार फिर उनकी दोस्ती में मिठास घोल दी थी। *

कहानी
क्षमा शर्मा

आदित्य और अंशु के पास एक कैरम बोर्ड था। अकसर शाम को बाहर खेलने जाने से पहले दोनों कैरम खेलते थे। बहुत बार वे बाहर न जाकर सिर्फ कैरम ही खेलते रहते थे। एक बार कैरम की गोटियों में आपस में बहस हो रही थी कि अगर वे न हों तो कोई कैरम खेल ही नहीं सकेगा। गुलाबी रंग की रानी गोटी यानी क्वीन इन सब की बातें सुन इतरा कर बोली, 'बड़ी चली हो महारानी बनने। जानती नहीं कि तुम सबकी रानी तो मैं ही हूं। मैं न होऊं तो तुम सब कुछ नहीं कर सकोगी।'

एक गोटी जो लड़ाकू थी, वह झिड़ककर बोली, 'तुम तो बस दिखाने भर की रानी हो। अपने बल पर तो अकेली बोर्ड से बाहर भी नहीं निकल सकतीं। हमेशा अपने पीछे हम में से कोई एक चाहिए कवर करने के लिए।'

'अरे रहने दो! अपने आप ही पिछलग्गू बनी चली आती हो मेरे पीछे। ना भी आओ तो मेरा क्या बिगड़ेगा? रहूंगी तो मैं रानी ही।' रानी की अकड़ भरी बात सुनकर बाकी गोटियों को बहुत गुस्सा आया। सबने मन ही मन तय किया कि रानी को सबक सिखा कर रहेंगे। अब जैसे ही दो बच्चे कैरम खेलने बैठते, गोटियां फटाफट बाहर निकलने लगतीं। लेकिन जैसे ही रानी बाहर निकलती बाकी गोटियां जैसे बोर्ड पर जम जातीं। चाहे जितना स्ट्राइकर मारो, वे टस से मस न होतीं। इससे बच्चे बार-बार रानी गोटी को बोर्ड पर पटकते, जिससे उसे चोट भी लगती। वह दर्द से कराहती। बाकी गोटियां इस दशा पर मुस्कुरातीं, 'अरे! रानी है, कर लेगी न सब अपने आप।'

इन सब गोटियों में एक गोटी ऐसी भी थी, जिसे रानी को देख तकलीफ होती। एक दिन उसने अपनी सहेली गोटियों से कहा, 'हम सबने रानी को बहुत सजा दे ली। लेकिन अब इस लड़ाई को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि यह भी तो हो सकता है कि हमसे खेलने वाले बच्चे हमारी हरकतों से तंग आकर दूसरी गोटियां ले आएं और हमें कूड़ेदान में फेंक दिया जाए। तब हम सबका क्या होगा, तुमने सोचा है? यहां तो हम सब आराम से रहते हैं। गर्मी, सर्दी, बरसात सबसे बचे रहते हैं। बाहर की दुनिया कैसी होगी, क्या पता? कूड़ेदान में से उठाकर किसी ने हमें आग में जला दिया तो..., तब हमारा क्या होगा? आखिर बनी तो हम लकड़ी से ही हैं।' उस गोटी की बातें सुन कर सारी गोटियां सोच में पड़ गईं। सबने देखा कि रानी गोटी के आंसू बह रहे थे। वह बोली, 'वैसे तो मैं रानी हूं, लेकिन मुझे यह बात क्यों समझ में नहीं आई कि गलती मेरी ही थी। घमंड में आकर मैंने अपनी सभी सहेलियों का अपमान किया। सबको मुसीबत में डाल दिया। सॉरी फ्रेंड्स।'

रानी ने यह कहा तो सारी गोटियां खुशी से उछलने लगीं। वे कूद-कूद कर बोर्ड के ऊपर नाचने लगीं। एक-दूसरे को जोक्स सुनाने लगीं और हंस-हंस कर लोट-पोट होने लगीं। उन्हें लगा कि इतनी हंसी तो जीवन में उन्होंने पहली बार सुनी है।

अगले दिन जब आदित्य और अंशु कैरम खेलने लगे तो गोटियों में होड़ लग गई। वे सबकी सब रानी से पहले ही बोर्ड से बाहर जाने की तैयारी करने लगीं। बच्चों को भी आज खेलना बहुत अच्छा लगा। एक गोटी बाहर निकलती तो वे जोर से तालियां बजाते। ऐसा लग रहा था, जैसे सारी गोटियां भी ताली बजा रही हैं। *

कैरम की रानी गोटी (क्वीन) और अन्य गोटियों में ऐसा घमंड जागा कि दोनों अपना-अपना महत्व जताते हुए बोलीं कि वे ना हों तो कैरम खेलना मुमकिन नहीं। तभी एक समझदार गोटी ने ऐसा कुछ कहा कि रानी गोटी और अन्य सभी गोटियां अपनी बहस भूलकर आपस में घुल-मिल कर हंस-हंस कर नाचने लगीं। आखिर उस समझदार गोटी ने ऐसा क्या कहा?

नाचने लगीं गोटियां

रंग भरो-197

रंग भरो-197 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

काशवी, रायपुर

वेदिका, कोरबा

प्रगति, बिलासपुर

कुंजल, रायपुर

रिधान, अंबिकापुर

प्रभु, कोरबा

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आशना-जांजगीर, डॉली-दुर्ग, डिपल-दुर्ग, पयोनिधि-अंबिकापुर, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रोशनी-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सुरभि-करनाल, तेजस-बिलासपुर, सुमन-हिसार

रंग भरो 198

बच्चो, यहां एक छोटे-से एक्वेरियम में मछली को चारा डालती एक लड़की का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।